राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

AKSHANSH
PUBLICATION

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा

शिक्षक ग्रेड-II

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी

10 OMR SHEETS सहित

10 मॉडल प्रश्न-पत्र

सभी प्रश्नो का व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

विशेषताएँ:

1. परीक्षा की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण प्रश्नों का व्याख्या सहित हल
2. नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों का समावेशन
3. विगत वर्ष के प्रश्नपत्रो के विश्लेषण पर आधारित प्रश्न नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

मारवाड़ी सर

अक्षांश पब्लिकेशन

M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

AKSHANSH
PUBLICATION

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा

शिक्षक ग्रेड-II

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी

10 मॉडल प्रश्न-पत्र

व्याख्यात्मक हल लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर के YouTube चैनल एवं एप्लिकेशन पर उपलब्ध।

YOUTUBE

एप्लिकेशन

"अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर के अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।"

संपादक
मारवाड़ी सर

सह संपादक
राजवर्धन बेगड़, गंगासिंह, प्रकाश मेघवाल

MRP : ₹220

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

नोट :- अब लक्ष्य क्लासेज़ की सभी आगामी पुस्तकें केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के माध्यम से ही प्रकाशित की जाएंगी। ये सभी पुस्तकें बाजार में 'अक्षांश' नाम से ही उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी समय में 'लक्ष्य' नाम से कोई भी पुस्तक प्रकाशित नहीं की जाएगी। इसलिए कृपया पुस्तक खरीदते समय केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के नाम से प्रकाशित और अधिकृत पुस्तकें ही बुक स्टोर्स से प्राप्त करें, ताकि आपको प्रमाणिक, अद्यतन एवं परीक्षा-उपयुक्त सामग्री प्राप्त हो।भविष्य में 'लक्ष्य' नाम से प्रकाशित किसी भी पुस्तक की सामग्री या गुणवत्ता की जिम्मेदारी 'अक्षांश प्रकाशन' या 'लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर' की नहीं होगी।

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM INSTAGRAM YOUTUBE FACEBOOK WHATSAPP

बुक कोड - AP0019

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com

मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
M. 9079798005, 6376491126

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	अध्याय	पेज संख्या
1.	मॉडल पेपर - 01	1 - 20
2.	मॉडल पेपर - 02	21 - 40
3.	मॉडल पेपर - 03	41 - 59
4.	मॉडल पेपर - 04	60 - 79
5.	मॉडल पेपर - 05	80 - 98
6.	मॉडल पेपर - 06	99 - 118
7.	मॉडल पेपर - 07	119 - 138
8.	मॉडल पेपर - 08	139 - 156
9.	मॉडल पेपर - 09	157 - 176
10.	मॉडल पेपर - 10	177 - 195

1. 'चंद्रमुख' में कौन-सा समास है?
(a) द्विगु (b) अव्ययीभाव
(c) कर्मधारय (d) तत्पुरुष
(e) अनुत्तरित प्रश्न

2. 'मुखचंद्र' में समास है :
(a) कर्मधारय (b)बहुव्रीहि
(c) सत्पुरुष (d) द्वन्द्व
(e) अनुत्तरित प्रश्न

3. सिद्धों में सबसे पुराने कौन थे -
(a) नारोपा (b) लुइपा
(c) गोरक्षपा (d) सरहपा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

4. निम्न में से किस रासो काव्य का मूल वर्ण्य विषय वीर रस न होकर श्रृंगार रस है -
(a) खुमाण रासो (b) पृथ्वीराज रासो
(c) बीसलदेव रासो (d) परमाल रासो
(e) अनुत्तरित प्रश्न

5. पंडित चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने किसको 'पुरानी हिन्दी का प्रथम कवि' स्वीकार किया है -
(a) सरहपाद (b) स्वयंभू
(c) राजा मुंज (d) पुष्प दंत
(e) अनुत्तरित प्रश्न

6. 'हालात-ए-कन्हैया' किसकी रचना है -
(a) पूरन भगत (b) विद्यापति
(c) अमीर खुसरो (d) इनमें से कोई नहीं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसने हिंदी साहित्य का इतिहास नहीं लिखा?
(a) डॉ. रामकुमार वर्मा
(b) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
(c) डॉ. नगेंद्र
(d) डॉ. लक्ष्मीसागर वाष्र्णेय
(e) अनुत्तरित प्रश्न

8. किस इतिहास लेखक ने अपने इतिहास-ग्रंथ में लगभग 5000 कवियों का विवरण दिया है?
(a) मिश्रबंधु (b) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(c) शिवसिंह सेंगर (d) सर जार्ज ग्रियर्सन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इतिहास-ग्रंथ में कालों के नामकरण का आधार क्या रहा है-
(a) पूर्व परम्परा (b) युग प्रवृत्ति
(c) प्रमुख ग्रन्थ (d) इनमें से कोई नहीं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

10. इतिहास लेखन की सबसे विकसित पद्धति है-
(a) विधेयवादी पद्धति (b) वर्णानुक्रम पद्धति
(c) कालानुक्रमी पद्धति (d) समाजशास्त्रीय पद्धति
(e) अनुत्तरित प्रश्न

11. 'द मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिट्रेचर ऑफ हिन्दुस्तान' के लेखक हैं-
(a) जॉर्ज ए ग्रियर्सन (b) शिवसिंह सेंगर
(c) गार्साद तासी (d) शुकदेव बिहारी मिश्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

12. 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' के लेखक हैं-
(a) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(b) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) डॉ० रामकुमार वर्मा
(d) डॉ० भागीरथ मिश्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

13. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का सूत्रपात किया था-
(a) आचार्य रामचंद्र शुक्ल (b) गार्सा-द-तासी
(c) जॉर्ज ग्रियर्सन (d) शिव सिंह सेंगर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

14. 'मिश्रबंधु विनोद' के लेखक हैं।
(a) श्याम बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र, कृष्ण बिहारी मिश्र
(b) गणेश बिहारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र
(c) गणेश बिहारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र, कृष्ण बिहारी मिश्र
(d) शिव बिहारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

15. हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल को 'अलंकृत काल' कहने वाले विद्वान इनमें से कौन हैं?
(a) मिश्र बंधु (b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (d) नगेन्द्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

16. हिन्दी साहित्य का आरम्भ 693 ई. से मानने वाले इतिहासकार इनमें से कौन हैं?
(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(c) राम कुमार वर्मा (d) डॉ. नगेन्द्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

17. डॉ. राम कुमार वर्मा ने हिन्दी साहित्य के आदिकाल (प्रारंभिक काल) को किस नाम/किन नामों से संबोधित किया है?
(a) प्रारम्भिक काल, संधिकाल
(b) आदिकाल, वीरकाल
(c) सिद्ध-सामंत काल
(d) संधिकाल एवं चारणकाल
(e) अनुत्तरित प्रश्न

18. हिन्दी साहित्य का उत्तर-मध्यकाल को 'रीतिकाल' किस विद्वान ने कहा है?
(a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (b) मिश्रबंधुओं
(c) पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (d) शिवसिंह सेंगर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

19. आध्यात्मिक रंग के चश्में आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं। उन्हें चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने 'गीत गोविंद' के पदों को आध्यत्मिक संकेत बताया है, वैसे ही के इन पदों को भी। यह किसके पदों की तुलना आ. शुक्ल ने 'गीत गोविंद' से की है।

(a) सूरदास (b) कबीर
(c) विद्यापति (d) तुलसीदास
(e) अनुत्तरित प्रश्न

20. 'देसिल बयना सब जन मिट्ठा' किस भाषा की काव्य पंक्ति है?

(a) सधुक्कड़ी (b) पुरानी अपभ्रंश
(c) प्राकृत (d) देशी भाषा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

21. 'गोरी सोवे सेज पर, मुख पर डारे केस' पंक्ति किसके द्वारा रचित है?

(a) घनानन्द (c) बिहारी
(b) विद्यापति (d) अमीर खुसरो
(e) अनुत्तरित प्रश्न

22. आदिकाल के किस कवि ने खड़ी बोली में रचना की है?

(a) नरपति नाल्ह (b) विद्यापति
(c) चन्दवरदाई (d) अमीर खुसरो
(e) अनुत्तरित प्रश्न

23. पृथ्वीराज रासो' के रचयिता कौन है?

(a) जगनिक (c) नरपति नाल्ह
(b) दलपति विजय (d) चन्दवरदाई
(e) अनुत्तरित प्रश्न

24. सुजान की उपेक्षा से विराग उत्पन्न होने के बाद रीतिकालीन कवि घनानन्द वृदावन जाकर किस सम्प्रदाय के वैष्णव हो गए थे?

(a) वल्लभ संप्रदाय के (c) सखी संप्रदाय के
(b) निम्बार्क संप्रदाय के (d) राधावल्लभ संप्रदाय के
(e) अनुत्तरित प्रश्न

25. 'शिवा बावनी' के रचनाकार कौन हैं-

(a) घनानंद (b) नरपति नाल्ह
(c) सेनापति (d) भूषण
(e) अनुत्तरित प्रश्न

26. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस कवि को 'कठिन काव्य का प्रेत' कहा था -

(a) भूषण (b) केशव
(c) देव (d) पद्माकर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

27. भूषण रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं :

(a) रीतिबद्ध काव्यधारा (b) रीतिमुक्त काव्यधारा
(c) रीतिसिद्ध काव्यधारा (d) आश्रयवादी काव्यधारा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

28. रामचन्द्र शुक्ल के निबंध संग्रह किस नाम से प्रकाशित हैं?

(a) चिंतामणि (c) चिंतासार
(b) चिंतासागर (d) चिंतामाला
(e) अनुत्तरित प्रश्न

29. 'हिन्दी में छायावाद' शीर्षक निबंध-श्रृंखला के लेखक कौन थे?

(a) मुकुटधर पाण्डेय (c) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(b) रामचन्द्र शुक्ल (d) नामवर सिंह
(e) अनुत्तरित प्रश्न

30. 'साहित्य जन समूह के हृदय विकास है' निबंध के लेखक कौन है?

(a) बालकृष्ण भट्ट (c) रामचन्द्र शुक्ल
(b) महावीर प्रसाद द्विवेदी (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

31. लार्ड कर्जन और उसकी नौकरशाही पर चुभते व्यंग्य निबंध लिखे:

(a) प्रताप नारायण मिश्र (b) भारतेंदु हरिश्चन्द्र
(c) बालमुकुंद गुप्त (d) चंद्रधर शर्मा गुलेरी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

32. 'अर्थार्जन' की अपेक्षा श्रम को महत्त्व देने वाले निबंधकार है:

(a) माधव प्रसाद मिश्र (b) अध्यापक पूर्ण सिंह
(c) संपूर्णानंद (d) डॉ० श्याम सुंदर दास
(e) अनुत्तरित प्रश्न

33. 'छितवन की छाँह' के रचनाकार हैं:

(a) रांगेय राघव (b) महादेवी वर्मा
(c) विद्यानिवास मिश्र (d) राहुल सांकृत्यायन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

34. विचारात्मक निबंधों की शैली होती है?

(a) तरंग शैली (b) समास शैली
(c) धारा शैली (d) व्यास शैली
(e) अनुत्तरित प्रश्न

35. 'नयी कविता में मुक्त छंद' निबंध के लेखक कौन है?

(a) नामवर सिंह (b) लक्ष्मीकान्त वर्मा
(c) रामस्वरूप चतुर्वेदी (d) जगदीश गुप्त
(e) अनुत्तरित प्रश्न

36. निम्नलिखित में से निबंध एवं निबंधकार का बेमेल युग्म कौन-सा है?

(a) कुटज- हजारी प्रसाद द्विवेदी
(b) गेहूँ और गुलाब- रामवृक्ष बेनीपुरी
(c) कदम की फूली डाल- जैनेन्द्र
(d) चीड़ों पर चाँदी- निर्मल वर्मा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

37. "नैणां वणज बसवाँ री, म्हारा साँवरों आवाँ।" रेखांकित शब्द का क्या आशय है?

(a) कमल के समान कोमल (b) सांसारिक वितृष्णा
(c) मोहासक्ति (d) लुभावनी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

38. रंग विनोदलीला, दानलीला, मान लीला आदि कृतियाँ किस कवि की हैं?

(a) स्वामी हरिदास (b) ध्रुवदास
(c) नन्ददास (d) कृष्णदास
(e) अनुत्तरित प्रश्न

39. सुमित्रानंदन पंत को किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ?
(a) उच्छवास (b) पल्लव
(c) चिदम्बरा (d) गुंजन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

40. सस्वर वाचन का अभ्यास कराने के लिए सबसे उपयुक्त साधन क्या है?
(a) अनुकरण वाचन (b) सामूहिक वाचन
(c) आदर्श वाचन (d) पाठ्यपुस्तक वाचन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

41. "मुद मंगलमय संत समाजू। जो जग जंगम तीरयराजू।।" उक्त पंक्तियों में कवि तुलसी ने संत समाज को किसके समान बताया है?
(a) तीर्थराज पुष्कर (b) तीर्थराज उज्जैन
(c) तीर्थराज प्रयाग (d) तीर्थराज हरिद्वार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

42. निम्नलिखित कहानी और कहानीकार में असंगत है-
(a) भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई
(b) एटम बम- अमृतलाल नागर
(c) पिंजड़े की उड़ान- यशपाल
(d) जहाँ लक्ष्मी कैद है- मोहन राकेश
(e) अनुत्तरित प्रश्न

43. निम्नलिखित में से किस विधि में परिभाषाओं के रटने पर बल दिया जाता है?
(a) आगमन विधि (b) निगमन विधि
(c) भाषा संसर्ग विधि (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

44. उपसर्ग की दृष्टि से कौन-सा शब्द अन्य तीन शब्दों से भिन्न उपसर्ग युक्त है?
(a) उऋण (b) उतारना
(c) उद्योग (d) उखड़ा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

45. निम्नलिखित में से लुटेरा, उड़ाक और पियक्कड़ आदि शब्दों में कौन-सा प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है?
(a) तद्धित प्रत्यय (b) कृत् प्रत्यय
(c) विदेशी प्रत्यय (d) उपर्युक्त सभी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

46. "तुंबी में तिरलोक समाया, त्रिवेणी रवि चंदा। बूझो रे ब्रह्म ग्यानी, अनहद नाग अभंगा।।" योग साधना संबंधित इस छंद के रचनाकार हैं-
(a) अब्दुर्रहमान (b) गोरखनाथ
(c) मत्स्येन्द्रनाथ (d) चर्पटनाथ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

47. "कदली, सीप, भुजंग मुख, स्वाति एक गुन तीन। जैसी संगति बैठिए, तैसोई फल दीन।" उक्त पंक्तियों में कौन-सा काव्य गुण है?
(a) ओज (b) प्रसाद
(c) माधुर्य (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

48. देहरियाँ पर्वत भई, आँगन भयौ विदेश। उक्त उदाहरण किस शब्द शक्ति का है?
(a) रूढ़ि लक्षणा (b) सारोपा गौणी
(c) उपादान लक्षणा (d) साध्यवसान गौणी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

49. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'उत्साह' के कितने भेद बताएँ हैं?
(a) 4 (b) 5
(c) 3 (d) 2
(e) अनुत्तरित प्रश्न

50. "मधुबन की मानिनी मनोहर तहँहि जाहु, जहें भाए हो।" इस पंक्ति में मधुबन की मानिनी किसे कहा गया है?
(a) यशोदा (b) देवकी
(c) कुब्जा (d) राधा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

51. 'पूस की रात' कहानी के अनुसार हल्कू के कुत्ते का क्या नाम था?
(a) शेरा (b) जबरा
(c) वीरा (d) सहना
(e) अनुत्तरित प्रश्न

52. वीर सतसई में दोहों की कुल संख्या कितनी हैं?
(a) 525 (b) 330
(c) 704 (d) 288
(e) अनुत्तरित प्रश्न

53. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक भारतेन्दु हरिशचन्द्र का मौलिक नाटक नहीं है?
(a) भारत दुर्दशा
(b) विद्या सुन्दर
(c) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति
(d) अंधेर नगरी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

54. किसी बात को और अधिक स्पष्ट करने के लिए प्रयुक्त विराम चिह्न है-
(a) उद्धरण चिह्न (b) अल्पविराम चिह्न
(c) त्रुटिपूरक चिह्न (d) कोष्ठक चिह्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न

55. 'अपरिहार्य' शब्द के लिए उपयुक्त वाक्यांश कौन-सा है?
(a) जिसमें सामर्थ्य न हो।
(b) जो व्यवहार में न लाया गया हो।
(c) जो अवश्य होने वाला हो।
(d) जिसका त्याग न हो सके।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

56. 'काक पक्ष सिर सोहत नी के, गुच्छ बीच-बिच कुसुम-कली के।' इन पंक्तियों में कौन-सा अनुभाव व्यक्त हुआ है?
(a) कायिक (b) वाचिक
(c) आहार्य (d) सात्विक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

57. कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' का प्रथम काव्य संग्रह है-
(a) हिलोल (b) जीवन के गान
(c) मिट्टी की बरात (d) प्रलय सृजन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

58. किस विधि में कई प्रकार के चित्र तथा खेलने की वस्तुएँ एक कमरे में एकत्र कर ली जाती हैं?
(a) सूत्र विधि (b) साहचर्य विधि
(c) प्रदर्शन विधि (d) व्याख्यान विधि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

59. निम्नलिखित में से दृश्य सहायक सामग्री नहीं है-
(a) फ्लैनल बोर्ड (b) लिंग्वाफोन
(c) मानचित्र (d) छायाचित्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

60. शुक्ल जी के अनुसार श्रद्धा किस प्रकार का भाव है?
(a) पारिवारिक (b) व्यक्तिगत
(c) सामाजिक (d) आध्यात्मिक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

61. पाठ-योजना हेतु मॉरीसन ने उपागम कब प्रस्तुत किया?
(a) 1921 (b) 1926
(c) 1928 (d) 1931
(e) अनुत्तरित प्रश्न

62. "जब हमें कोई शिक्षा दीक्षा तथा उपदेश देना हो तब हमें कहानी की रचना करनी चाहिए। कहानी शिक्षण का साधन एवं प्रभावशाली माध्यम है।" कहानी शिक्षण के संदर्भ में उक्त कथन किसका है?
(a) एच.जी. वेल्स (b) प्लेटो
(c) हडसन (d) एडीसन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

63. निम्नलिखित में से किस विधि में बालक स्वयं संशोधन करता है?
(a) मॉण्टेसरी विधि (b) जैकटाट विधि
(c) पेस्टालॉजी विधि (d) अनुकरण विधि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

64. निम्नलिखित में से मुंशी प्रेमचन्द द्वारा लिखित अपूर्ण उपन्यास कौन-सा है?
(a) सेवा सदन (b) कायाकल्प
(c) मंगलसूत्र (d) रंगभूमि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

65. "<u>भाग्य का मारा मैं</u> कहाँ आ पहुँचा?" रेखांकित पदबंध है-
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया पदबंध
(e) अनुत्तरित प्रश्न

66. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य हेतु- हेतुमद् भूतकाल से संबंधित है?
(a) मोहन को पत्र मिल गया।
(b) यदि तुम आ जाते तो मैं चला जाता।
(c) अभी-अभी राधा घर गई है।
(d) वह मेरे यहाँ आया था।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

67. निम्नलिखित में से किस वाक्य में पूर्वकालिक क्रिया का प्रयोग हुआ है?
(a) श्यामा केले और अँगूर खाती है।
(b) बच्चे सारी मिठाई खा गए।
(c) उसने पनीर चखकर खरीदा।
(d) चिड़िया चहचहा रही है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

68. निम्नलिखित में से गलत विकल्प चुनिए-
(a) सत्याग्रह- संप्रदान तत्पुरुष समास
(b) नीतिनिपुण- अधिकरण तत्पुरुष समास
(c) धर्मयुक्त - करण तत्पुरुष समास
(d) वचनबद्ध- अधिकरण तत्पुरुष समास
(e) अनुत्तरित प्रश्न

69. "रैनि सोबत चलत जागत लगत नहीं मन आनि" उक्त पंक्ति में किसकी स्थिति के बारे में वर्णन किया गया है?
(a) राधा
(b) उद्धव
(c) गोपियाँ
(d) श्रीकृष्ण
(e) अनुत्तरित प्रश्न

70. क्रियात्मक पक्ष का मूल्यांकन होता है-
(a) मौखिक परीक्षा
(b) लिखित परीक्षा
(c) प्रायोगिक परीक्षा
(d) साक्षात्कार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

71. कौन तुम? संसृति-जलनिधि तीर तरंगों से फेंकी मणि एक; उक्त पंक्तियों में श्रद्धा किसका परिचय पूछ रही है?
(a) मनु का (b) इड़ा का
(c) मानव का (d) आनन्द का
(e) अनुत्तरित प्रश्न

72. निदानात्मक परीक्षण हो सकते हैं-
(a) प्रक्षेपित
(b) शाब्दिक
(c) अशाब्दिक
(d) उपर्युक्त सभी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

73. "सूर उर्थौ सों मिलत भयो सुख ज्यों झख पायो पान्यो" उक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) रूपक (b) उपमा
(c) अनुप्रास (d) श्लेष
(e) अनुत्तरित प्रश्न

74. निम्नलिखित में से भारतेन्दु युगीन नाटककार नहीं है-
(a) लाला श्रीनिवास दास
(b) राधाकृष्ण दास
(c) रामवृक्ष बेनीपुरी
(d) बालकृष्ण भट्ट
(e) अनुत्तरित प्रश्न

75. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचयिताओं से सुमेलित कीजिए-

A. हो हो होरी	**1. भारतेंदु हरिश्चंद्र**
B. प्रेम तरंग	**2. अंबिकादत्त व्यास**
C. कुब्जा पचीसी	**3. राधाकृष्ण दास**
D. भारत बारहमासा	**4. नवनीत चतुर्वेदी**

कूट:-

(a) A-2 B-1 C-4 D-3 (b) A-2 B-1 C-3 D-4
(c) A-3 B-4 C-1 D-2 (d) A-3 B-1 C-4 D-2
(e) अनुत्तरित प्रश्न

76. निम्नलिखित में से वाचन शिक्षण की संश्लेषण विधि है-

(a) अनुकरण विधि (b) भाषा शिक्षण पत्र विधि
(c) अक्षर बोध विधि (d) सामूहिक पठन विधि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

77. गद्य शिक्षण का विशिष्ट उद्देश्य कौन- सा/से होता/होते है/हैं?

(a) ज्ञानात्मक (b) अवबोध
(c) कौशलात्मक (d) उपर्युक्त सभी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

78. नाट्य शिक्षण का प्राण तत्त्व किसे माना जाता है?

(a) भाषा शैली को (b) संवाद को
(c) रंगमंच को (d) पात्र को
(e) अनुत्तरित प्रश्न

79. "सतगुर बपुरा क्या करै, जे सि षही मांहे चूक। भावै व्यूँ प्रबोधि ले ज्यूँ बंसि बजा ई फूँक।।" कबीर के इस पद का क्या भाव है?

(a) गुरु द्वारा ज्ञान प्रबोधन (b) सांसारिक
(c) शिष्य की पात्रता (d) सहज समाधि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

80. निम्नांकित में से शुद्ध वर्तनी शब्द का चयन कीजिए-

(a) उल्लेखित (b) दुरवस्था
(c) तदंतर (d) कविन्द्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

81. निम्नलिखित में से कामदेव का पर्यायवाची किस विकल्प में नहीं है?

(a) पंचशर (b) कन्दर्प
(c) हेरंब (d) अनंग
(e) अनुत्तरित प्रश्न

82. हिंदी साहित्य के इतिहासकार मिश्र बंधुओं में कौन शामिल नहीं है?

(a) श्याम बिहारी मिश्र (b) गणेश बिहारी मिश्र
(c) मोहन बिहारी मिश्र (d) शुकदेव बिहारी मिश्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

83. मलिक मुहम्मद जायसी की प्रसिद्ध रचना 'पद्मावत' में 'गुरु' का प्रतीक किसे माना है?

(a) रतनसेन (b) पद्मिनी
(c) हीरामन तोता (d) सिंहल द्वीप
(e) अनुत्तरित प्रश्न

84. निम्नलिखित में से ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय का उदाहरण चुनिए-

(a) विषैला (b) राधेय
(c) सँपोला (d) इच्छुक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

85. रूप के आधार पर क्रिया विशेषण के भेद हैं-

(a) चार (b) तीन
(c) पाँच (d) दो
(e) अनुत्तरित प्रश्न

86. निम्नलिखित में से किस छंद के चरण में 28 मात्राएँ होती हैं?

(a) गीतिका (b) दोहा
(c) हरिगीतिका (d) सोरठा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

87. कुँवर नारायण द्वारा लिखित काव्य संग्रह है-

(a) सात गीत वर्ष (b) चक्रव्यूह
(c) सीढ़ियों पर धूप में (d) चाँद का मुँह टेढ़ा है
(e) अनुत्तरित प्रश्न

88. निम्नलिखित में से किस विधि में व्याकरण के नियमों का ज्ञान नहीं हो पाता है?

(a) सूत्र विधि (b) निगमन विधि
(c) भाषा-संसर्ग विधि (d) उपर्युक्त सभी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

89. रीतिकाल के प्रमुख रीतिसिद्ध कवि किसे माना जाता है?

(a) बिहारी (b) मतिराम
(c) पद्माकार (d) घनानन्द
(e) अनुत्तरित प्रश्न

90. 'शानदार' का उपयुक्त विलोम शब्द कौन-सा है?

(a) संदिग्ध (b) शर्मनाक
(c) घटिया (d) अभद्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

91. "आगमन विधि में बालक विभिन्न स्थूल तथ्यों के आधार पर अपनी मानसिक शक्ति का प्रयोग करते हुए स्वयं किसी विशेष सिद्धांत, नियम अथवा सूत्र तक पहुँचता है।" यह किसने कहा था?

(a) लैण्डन ने (b) यंग ने
(c) गैंग ने (d) बोर्जी होमवर्ग ने
(e) अनुत्तरित प्रश्न

92. 'शब्दानुशासन' नामक व्याकरण रचना के रचनाकार हैं-

(a) हेमचंद्र (b) रामसिंह
(c) धनपाल (d) देवसेन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

93. निम्नलिखित में से किस विकल्प में विसर्ग संधि का शब्द नहीं है?

(a) सरोकार (b) सर्वतोमुखी
(c) विच्छिन्न (d) धनुष्टंकार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

94. "और असिरो ना म्हारा थें विण, तीनूँ लोक मँझार।" इस पंक्ति में मीरा का कौन-सा भाव व्यक्त हुआ है?
(a) श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य समर्पण
(b) जगत से प्रेम
(c) गुरु के प्रति श्रद्धा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

95. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार उत्साह एक यौगिक भाव है जिसमें मेल रहता है-
(a) साहस और संकल्प का
(b) विश्वास और बुद्धि का
(c) साहस और आनंद का
(d) प्रेम और साहस का
(e) अनुत्तरित प्रश्न

96. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कई रचनाओं में अपने किस नाम का प्रयोग किया-
(a) वैद्यनाथ
(b) भुजंगभूषण भट्टाचार्य
(c) शिवशंभु
(d) हृदय तरंग
(e) अनुत्तरित प्रश्न

97. निम्नलिखित में से तार सप्तक (1943) का कवि नहीं है-
(a) मुक्तिबोध (b) प्रभाकर माचवे
(c) भवानी प्रसाद मिश्र (d) नेमिचन्द्र जैन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

98. निम्नलिखित में से अर्थालंकार है-
(a) अनुप्रास (b) रूपक
(c) श्लेष (d) यमक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

99. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी शब्द शुद्ध वर्तनी के हैं?
(a) दिवारात्र, गण्यमान्य, शिरीष
(b) खेतिहर, दंपति, नीरोग
(c) विक्षुब्ध, शिखिर, अंधेरा
(d) नौलिक्रिया, भुजंगनी, वाल्मीकि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

100. 'यह कार्य सिर्फ रमा से न करवाया जाए।' इस वाक्य में निपात शब्द कौन-सा है?
(a) यह (b) सिर्फ
(c) से (d) न
(e) अनुत्तरित प्रश्न

101. निम्नलिखित में से किस सामासिक पद का विग्रह गलत है?
(a) हीनार्थ- हीन है जिसका अर्थ
(b) आजीवन- जीवनभर
(c) मंत्रिपरिषद्- मंत्रियों के लिए परिषद्
(d) दुराहा- दो राहों का समाहार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

102. "किंतु इस उल्लास-जड़ समुदाय में, एक ऐसा भी पुरुष है, जो विकल, बोलता कुछ भी नहीं, पर रो रहा।" उक्त पंक्तियों में किसकी ओर संकेत किया गया है?
(a) श्रीकृष्ण (b) युधिष्ठिर
(c) भीष्म (d) अश्वत्थामा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

103. किस संप्रदाय में गद्दी पूजा का विधान है?
(a) निम्बार्क संप्रदाय (b) गौड़ीय संप्रदाय
(c) राधावल्लभ संप्रदाय (d) रुद्र संप्रदाय
(e) अनुत्तरित प्रश्न

104. सचेतन कहानी को प्रारम्भ करने का श्रेय किसे है?
(a) कमलेश्वर (b) महीपसिंह
(c) रामदरश मिश्र (d) विश्वनाथ त्रिपाठी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

105. संधि-चारण काल नाम से आदिकाल का नामकरण किसने किया था?
(a) डॉ. रामकुमार वर्मा
(b) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(c) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(d) मिश्रबंधु
(e) अनुत्तरित प्रश्न

106. पूर्वी हिन्दी उपभाषा से उत्पन्न बोली कौन-सी नहीं है?
(a) अवधी (b) कन्नौजी
(c) बघेली (d) छत्तीसगढ़ी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

107. 'अगर उसने चोरी नहीं की होती तो डरता नहीं।' वाक्य अर्थ की दृष्टि से है-
(a) विधानवाचक
(b) इच्छार्थक
(c) संकेतवाचक
(d) संदेहवाचक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

108. निम्नलिखित में से कर्मवाच्य का उदाहरण है-
(a) अक्षय ने अखबार को पढ़ा।
(b) वहाँ कैसे बैठा जाएगा।
(c) उसके द्वारा पुस्तक लिखी गई।
(d) लड़के से नहाया नहीं जाता।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

109. भानुफल, कुंजरासरा और मोचा किसके पर्यायवाची हैं?
(a) अमृत (b) आम
(c) केला (d) अंजीर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

110. 'मुख मयंक को देखकर विकसा मानस-कंज।' इस पंक्ति में कौन-सा काव्य दोष है?
(a) अक्रमत्व (b) दुष्क्रमत्व
(c) श्रुति कटुत्व (d) क्लिष्टत्व
(e) अनुत्तरित प्रश्न

111. "संत कहहिं असि नीति प्रभु, श्रुति पुरान मुनि गाव। होइ न विमल विवेक उर, गुर सन किएँ दुराव।।" कवि तुलसी की रचना रामचरितमानस के बालकाण्ड में उक्त बात किसने कही है?
(a) विश्वामिश्र ने श्रीराम से
(b) तुलसी ने नरहरिदास से
(c) भारद्वाज ने याज्ञवल्क्य से
(d) तुलसी ने वाल्मीकि से
(e) अनुत्तरित प्रश्न

112. 'रे नृप बालक काल बस, बोलत तोहि न सँभार। धनुही सम त्रिपुरारि धनु, बिदित सकल संसार।' इन पंक्तियों में व्यंजित रस कौन-सा है?
(a) वीभत्स
(b) रौद्र
(c) भयानक
(d) अद्भुत
(e) अनुत्तरित प्रश्न

113. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना तुलसीदास ने अपने मित्र अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना के आग्रह पर की थी?
(a) दोहावली
(b) रामाज्ञा प्रश्नवाली
(c) बरवै रामायण
(d) वैराग्य संदीपनी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

114. "काय कलाली छल कियौ, सेज गुमावण रंग। फूल दुबारे छाकियौ, चींतै, चौगुण जंग।।" उक्त दोहे में कवि ने किसका वर्णन किया है?
(a) पराक्रमी योद्धा का
(b) वीरांगना नारी का
(c) सतसई का
(d) वीर स्वामी का
(e) अनुत्तरित प्रश्न

115. लेखक मोहन राकेश के प्रसिद्ध नाटक 'लहरों के राजहंस' में गृहाधिकारी की भूमिका में है-
(a) श्वेतांग (b) शशांक
(c) मैत्रेय (d) श्यामांग
(e) अनुत्तरित प्रश्न

116. एक इकाई योजना के घटक होते हैं-
(a) विषय
(b) इकाई के शीर्षक एवं इकाई का संक्षिप्त दृश्य
(c) अनुदेशात्मक सामग्री
(d) उपर्युक्त सभी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

117. दल-शिक्षण विधि के कितने सोपान होते हैं?
(a) चार (b) दो
(c) छह (d) तीन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

118. व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध वाक्य कौन-सा है?
(a) सब इकट्ठे होकर चलेंगे।
(b) राम, श्याम या मोहन बता सकते हैं।
(c) मैंने दोनों पौधों को गमलों में लगा दिया।
(d) बात सुनकर उसके होश उड़ गए।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

119. 'उसने कहा था' कहानी किस वर्ष प्रकाशित हुई थी?
(a) 1929
(c) 1915
(b) 1925
(d) 1918
(e) अनुत्तरित प्रश्न

120. निम्नलिखित में से अर्द्ध सममात्रिक छंद कौन-सा है?
(a) चौपाई
(b) गीतिका
(c) छप्पय
(d) सोरठा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

121. "कर रही लीलामय आनंद, महाचिति सजग हुई-सी व्यक्त। विश्व का उन्मीलन अभिराम इसी में सब होते अनुरक्त।।" उक्त पंक्तियों में कवि जयशंकर प्रसाद ने किस दर्शन को स्पष्ट किया है?
(a) निम्बार्क
(b) बौद्ध
(c) जैन
(d) शेव
(e) अनुत्तरित प्रश्न

122. अनेकार्थक शब्द 'अज' का अर्थ किस विकल्प में नहीं है?
(a) बकरा
(b) आकाश
(c) ब्रह्मा
(d) कामदेव
(e) अनुत्तरित प्रश्न

123. ध्वन्यात्मक विधि के प्रतिपादक किसे माना जाता है?
(a) माइकल सेमर (b) जान बेसडो
(c) बाईनिंग व बाईनिंग (d) क्राउडर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

124. निम्नलिखित में से किस मुहावरे का अर्थ असंगत है?
(a) अंडे का शहजादा- अनुभवहीन व्यक्ति
(b) हाथ के तोते उड़ जाना- घबरा जाना
(c) दाई से पेट छुपाना- दाई से शर्म करना
(d) कौड़ी को न पूछना निकम्मा समझना
(e) अनुत्तरित प्रश्न

125. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए-
(a) निरावलंब (b) नींबू
(c) गत्यवरोध (d) गीतांजली
(e) अनुत्तरित प्रश्न

126. न्यूनतम साधनों के माध्यम से सिद्धांत अथवा तथ्यों के स्पष्टीकरण की विधि है-
(a) सूत्र विधि
(b) प्रदर्शन विधि
(c) अनुकरण विधि
(d) प्रत्यक्ष विधि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

127. "हाँसी खेलों हरि मिलें, तौ कौण सहै शरसान। काम क्रोध त्रिष्णां तजे, ताहि मिलें भगवान।।" उक्त दोहा संत कबीर के किस अंग में संकलित है?
(a) विरह कौ अंग
(b) सुमिरण कौ अंग
(c) गुरुदेव कौ अंग
(d) परचा (परिचय) कौ अंग
(e) अनुत्तरित प्रश्न

128. 'ई' प्रत्यय से बना शब्द कौन-सा है?
(a) सफेदी
(b) सादगी
(c) सफाई
(d) वाहिनी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

129. मालदेव के राज्य की लोहे की धुरी किसे माना गया था?
(a) खेतसी
(b) मौजीराम कामदार
(c) बरवड़ी
(d) पवनसी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

130. निम्नलिखित में से लेखन कौशल की विधि नहीं है-
(a) खंडश: लेखन विधि
(b) तुलना विधि
(c) रूप अनुसरण विधि
(d) प्रत्यक्ष विधि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

131. 'अनिरुद्ध' किस वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होगा?
(a) वह जो शीघ्र प्रसन्न हो जाए।
(b) वह जिसका कोई अंत न हो।
(c) वह जिसे रोका न जा सके।
(d) वह जो कानून के विरुद्ध हो।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

132. 'कुरुक्षेत्र' नामक प्रबंध काव्य में कितने सर्ग हैं?
(a) 5　　(b) 12
(c) 9　　(d) 7
(e) अनुत्तरित प्रश्न

133. "प्रगतिवाद साम्यवाद का पोषक एवं पूँजीवाद का शत्रु है।" यह किसने कहा था?
(a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल　　(b) डॉ. नगेन्द्र
(c) बच्चनसिंह　　(d) सुमित्रानन्दन पंत
(e) अनुत्तरित प्रश्न

134. किस वाक्य में अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया गया है?
(a) बालक बहुत देर से सो रहा है।
(b) किसान फसल काट रहा है।
(c) उसने आम खाया है।
(d) मोहन चाय पी रहा है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

135. "सूरसागर किसी चली आती हुई गीतिकाव्य परंपरा का, चाहे वह मौखिक ही रही हो, पूर्ण विकास-सा प्रतीत होता है।" निम्नलिखित कथन किस विद्वान का है?
(a) डॉ. नगेन्द्र
(b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) रामविलास शर्मा
(d) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(e) अनुत्तरित प्रश्न

136. निम्नलिखित एकवचन और बहुवचन युग्म में से अशुद्ध चुनिए-
(a) सभा-सभाएँ
(b) गाड़ी-गाड़ियाँ
(c) गुड़िया-गुड़ियाएँ
(d) प्रजा-प्रजाजन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

137. "नीकी दई अनाकनी, फीकी मपरी गुहारि । तज्यौ मनौ तारन-बिरदु बारक बारनु तारि।।" बिहारी के इस दोहे में व्यक्त है-
(a) अलगाव
(b) भक्ति
(c) वितृष्णा
(d) श्रृंगार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

138. यह, वह, वे, उसे आदि में सर्वनाम है-
(a) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
(b) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
(c) संबंधवाचक सर्वनाम
(d) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम
(e) अनुत्तरित प्रश्न

139. 'मंटो मेरा दुश्मन' नामक संस्मरण के लेखक हैं-
(a) रामवृक्ष बेनीपुरी
(b) उपेन्द्रनाथ अश्क
(c) राहुल सांकृत्यायन
(d) राजेन्द्र यादव
(e) अनुत्तरित प्रश्न

140. निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित कहानी संग्रह कौन-सा है?
(a) वनमिलन
(b) आकाशदीप
(c) चित्राधार
(d) करुणालय
(e) अनुत्तरित प्रश्न

141. रामधारीसिंह 'दिनकर' का जन्म कब हुआ था?
(a) 1907
(b) 1911
(c) 1908
(d) 1912
(e) अनुत्तरित प्रश्न

142. निम्नलिखित में से अधिकरण कारक से संबंधित वाक्य कौनसा है?
(a) उसके हाथ संदेश भिजवा देना।
(b) मैंने राम को पत्र लिखा।
(c) वह घर गया ही नहीं।
(d) हम पढ़ने के लिए स्कूल जाते हैं।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

143. निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाक्य रचना की दृष्टि से भिन्न है?
(a) आप जो भी कहते हैं, वह सच है।
(b) ठीक से काम करो अथवा नौकरी छोड़ दो।
(c) मैं चाहता हूँ कि तुम आगे पढ़ो।
(d) नौकर ने देखा कि साहब आज नाराज है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

144. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना हरिदास निरंजनी की है?
(a) सुखसागर
(b) ज्ञानबोध
(c) असा दीवार
(d) अष्टपदी जोग ग्रंथ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

145. भीष्म साहनी का उपन्यास कौन-सा है?
(a) तमस
(b) पर्दे की रानी
(c) परख
(d) शेखर: एक जीवनी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

146. किस विकल्प में 'अन्' उपसर्ग से बना शब्द नहीं है?
(a) अनभिज्ञ
(b) अनुर्वर
(c) अनुदार
(d) अन्वीक्षण
(e) अनुत्तरित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 147 से 150 तक के उत्तर दीजिए-

कभी-कभी मेरा दिल इन सब चीजों को देखने के लिए मचल उठता है। अगर इन चीजों को सिर्फ छूने भर से इतनी खुशी मिलती है तो उनकी सुन्दरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध ही हो जाएगा, लेकिन जिन लोगों की आँखें हैं वे सचमुच बहुत कम देखते हैं। इस दुनिया के अलग-अलग सुन्दर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता। वह हमेशा उसी चीज की आस लगाए रहता है, जो उसके पास नहीं है। यह कितने दु:ख की बात है कि दृष्टि के आशीर्वाद को लोग एक साधारण-सी चीज समझते हैं, जबकि इस नियामत से जिन्दगी को खुशियों के इन्द्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है।

147. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा-
(a) दृष्टि बाधित
(b) दृष्टि
(c) दृष्टिकोण
(d) दृष्टिहीन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

148. जिन लोगों की आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं- इसका क्या अभिप्राय है?
(a) नजरअंदाज करने का भाव
(b) दृष्टि का अभाव
(c) संवेदना का अभाव
(d) अनुभव का अभाव
(e) अनुत्तरित प्रश्न

149. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार दु:ख का विषय क्या है?
(a) व्यक्ति को मानसिक शांति नहीं होना।
(b) दृष्टि के महत्त्व को नहीं पहचानना।
(c) जीवन का रहस्य नहीं समझ में आना।
(d) उपर्युक्त सभी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

150. मनुष्य हमेशा किस चीज की आस लगाए बैठता है?
(a) अच्छाई की
(b) आत्मीय सुख की
(c) जो उसके पास नहीं है
(d) हर वस्तु को स्पर्श करने की
(e) अनुत्तरित प्रश्न

♦♦♦♦

1. [c]

व्याख्या:-

– 'चंद्रमुख' कर्मधारय समास का उदाहरण है। इसका समास विग्रह है- चन्द्र के समान मुख। ध्यातव्य हो कि जब पूर्वपद एवं उत्तर पद के मध्य 'विशेषण-विशेष्य' या 'उपमेय-उपमान' का सम्बन्ध हो तो कर्मधारय समास होता है। कर्मधारय समास का उत्तरपद प्रधान होता है। 'चन्द्रमुख' में 'चंद्र' उपमान तथा 'मुख' उपमेय शब्द है।

2. [a]

व्याख्या:-

– मुखचंद्र - मुख रूपी चन्द्रमा में कर्मधारय समास है।

– कर्मधारय समास - जब कोई एक खण्ड विशेषण या उपमा सूचक शब्द हो तो कर्मधारय समास बनता है।

3 [d]

व्याख्या:-

– 'सरहपा' सिद्धों में सबसे पुराने थे। इन्हें सरोजवज्र, राहुल भद्र आदि नामों से भी जाता है। 'सरहपा' की रचना दोहाकोश है। दोहाकोश का सम्पादन प्रबोधचंद्र बागची ने किया।

4. [c]

व्याख्या:-

– **नरपति नाल्ह कृत ' बीसलदेव रासो'**

– मूलतः एक मुक्तक गेय काव्य है। 'बीसलदेव रासो' आदिकालीन रासो काव्य परम्परा की श्रृंगारिक रचना है। इसमें भोज परमार की पुत्री राजमती एवं अजमेर के चौहार राजा बीसलदेव तृतीय के विवाह, वियोग एवं पुनर्मिलन की कथा सरलस शैली में प्रस्तुत की गई है। आदिकालीन रचना 'बीसलदेव रासो' की श्रृंगार परम्परा विद्यापति और भक्तिकाल के प्रेमाख्यानक काव्यों से होते हुए रीतिकाल के श्रृंगार काव्य के रूप में चरम विकास को प्राप्त हुई।

5. [c]

व्याख्या:-

– राजा मुंज को पण्डित चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ने पुरानी हिन्दी का प्रथम कवि माना है तथा दसवीं शताब्दी के अंतिम चरण को हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक चरण के रूप में स्वीकार किया है। ज्ञातव्य है कि पं. चन्द्रधर शर्मा कहानीकार थे। 'उसने कहा था' 'बुद्ध का काँटा', एवं 'सुखमय जीवन' गुलेरी जी द्वारा लिखी गई श्रेष्ठ कहानियाँ है। 'उसने कहा था' कहानी 1915 में 'सरस्वती' पत्रिका में प्रकाशित हुई थी।

6. [c]

व्याख्या:-

– उत्तर प्रदेश के एटा जिले में पटियाली गाँव में 1225 ई. में जन्में अमीर खुसरो को खड़ी बोली हिन्दी का पहला कवि की पहेलियाँ, मुकरियाँ तथा गजल अमीर खुसरो की प्रमुख रचनाएँ है। कीर्तिलता एवं कीर्तिपताका विद्यापति की रचनाएँ है।

7. [c]

व्याख्या:-

– डॉ. नगेंद्र ने हिन्दी साहित्य का इतिहास नहीं लिखा बल्कि, ये 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' के 1 सम्पादक हैं। जबकि डॉ. राम कुमार वर्मा लिखित इतिहास 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' नामक ग्रंथ है। हजारी प्रसाद द्विवेदी ने तीन इतिहास ग्रंथो की रचना की हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940), हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास (1952), और हिन्दी साहित्य का आदिकाल (1952)। डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय ने 'हिन्दुई साहित्य का इतिहास' नामक इतिहास ग्रंथ लिखा।

8. [a]

व्याख्या:-

– दिये गये साहित्यकारों में 'मिश्रबन्धु' ने अपने साहित्य इतिहास ग्रंथ में लगभग 5000 (4591) कवियों का विवरण दिया है। मिश्रबन्धुओं में गणेश बिहारी, श्याम बिहारी तथा शुकदेव बिहारी हैं। इन्होंने 'मिश्रबन्धु विनोद' नामक इतिहास ग्रंथ की रचना की। इसका प्रकाशन चार भागों में हुआ। प्रथम तीन भागों का प्रकाशन सन् 1913 ई. में तथा चतुर्थ भाग का प्रकाशन सन् 1934 ई. में हुआ।

9. [b]

व्याख्या:-

– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इतिहास-ग्रंथ में कालों के नामकरण का आधार 'युग प्रवृत्ति' रहा है। आचार्य शुक्ल ने अपना इतिहास ग्रंथ 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' विधेयवादी पद्धति पर लिखा है जिसका प्रकाशन 1929 ई. में हुआ।

10. [a]

व्याख्या:-

– इतिहास लेखन की सबसे विकसित पद्धति विधेयवादी पद्धति मानी जाती है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने इतिहास लेखन की विधेयवादी पद्धति का अनुसरण कर अपना इतिहास ग्रंथ लिखा है।

11. [a]

व्याख्या:-

– **'द मार्डन वर्नाक्यूलर लिट्रेचर ऑफ हिन्दुस्तान'** के लेखक जार्ज ए ग्रियर्सन हैं। इस रचना को सच्चे अर्थों में हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास ग्रन्थ माना जाता है। ग्रियर्सन ने अपने ग्रन्थ में 952 कवियों को शामिल किया है। डॉ. किशोरी लाल गुप्त ने 'द माडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' का हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास' शीर्षक से हिन्दी अनुवाद किया। जिसका प्रकाशन 1957 ई. में हुआ।

12. [c]

व्याख्या:-

– 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' के लेखक डॉ० रामकुमार वर्मा हैं। इसका प्रकाशन 1938 ई. में हुआ। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का इतिहास ग्रन्थ 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' का स्थान सर्वोच्च है। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का इतिहास ग्रन्थ 'हिन्दी साहित्य का आदिकाल' हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य की भूमिका है।

13. [b]

व्याख्या:-

– हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का सूत्रपात 'गार्सा-द-तासी' ने किया था। गार्सा-द-तासी की पुस्तक फ्रेंच भाषा में है। इनकी पुस्तक का नाम 'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी' रखा है। यह पुस्तक दो भागों में विभक्त है जिसका प्रकाशन क्रमशः 1839 ई. तथा 1847 ई. में हुआ। द्वितीय संस्करण में यह तीन भागों में विभक्त हो गया, जिसका प्रकाशन 1871 ई. में हुआ।

14. [b]

व्याख्या:-

– 'मिश्रबंधु विनोद' के लेखक गणेश बिहारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र हैं। 'मिश्रबंधु विनोद' ग्रंथ चार भागों में विभक्त है, जिसके प्रथम तीन भाग का प्रकाशन 1913 ई. में और चतुर्थ भाग का प्रकाशन 1934 ई. में हुआ। इन्होंने सम्पूर्ण हिन्दी साहित्य को 5 भागों में बांटा है- प्रारम्भिक काल (700-1444 वि.), माध्यमिक काल (1445-1680 वि.), अलंकृत काल (1681-1889 वि.), परिवर्तन काल (1890-1924 वि.) और वर्तमान काल (1926 वि. से अब तक)।

15. [a]

व्याख्या:-

– हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल को 'अलंकृत काल' कहने वाले विद्वान मिश्र बंधु हैं। रामचन्द्र शुक्ल ने उत्तर मध्यकाल को रीतिकाल तथा विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने श्रृंगारकाल कहा है।

16. [c]

व्याख्या:-

– हिन्दी साहित्य का आरम्भ 693 ई. से मानने वाले इतिहासकार 'रामकुमार वर्मा' हैं। रामकुमार वर्मा हिन्दी साहित्य की अवधि 693 ई. से 1693 ई. तक मानते हैं।

17. [d]

व्याख्या:-

– डॉ. राम कुमार वर्मा ने हिन्दी साहित्य के आदिकाल (प्रारंभिक काल) को 'संधिकाल एवं चारणकाल' के नाम से संबोधित किया है। 'आदिकाल' को सिद्ध-सामंत काल नाम से 'राहुल सांकृत्यायन' ने संबोधित किया है।

18. [a]

व्याख्या:-

– हिन्दी साहित्य के उत्तर-मध्यकाल को 'रीतिकाल' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने कहा है। रीतिकाल को विद्वानों द्वारा दिये गये अन्य नाम इस प्रकार हैं-

विद्वान	रीतिकाल के अन्य नाम
रमाशंकर शुक्ल रसाल	कला काल
पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	श्रृंगार काल
मिश्रबन्धु	अलंकृत काल

19. [c]

व्याख्या:-

– आध्यात्मिक रंग के चश्में आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं। उन्हें चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने 'गीत गोविंद' के पदों को आध्यत्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी। यह कथन आचार्य रामचंद्र शुक्ल का विद्यापति के संबंध में है।

20. [d]

व्याख्या:-

– 'देसिल बयना सब जन मिट्ठा' देशी भाषा अर्थात् मैथिली भाषा की पंक्ति है। विद्यापति की प्रमुख रचना पदावली है, जो मैथिली भाषा में लिखी गयी है। इनकी कीर्तिलता तथा कीर्तिपताका मुख्यतः अवहट्ट भाषा में रचित रचना है।

21. [d]

व्याख्या:-

– 'गोरी सोवे सेज पर, मुख पर डारे केस' यह पंक्ति अमीर खुसरो ने अपने गुरु निजामुद्दीन औलिया के मृत्यु पर लिखा था।

22. [d]

व्याख्या:-

– अमीर खुसरो आदिकाल के एकमात्र कवि हैं जिन्होंने खड़ीबोली में रचना की है। अमीर खुसरो का वास्तविक नाम अबुल हसन था। ये निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। अमीर खुसरो खड़ीबोली के आदि कवि कहे जाते है। इनकी रचनाएँ हैं- खालिक बारी, पहेलियाँ, मुकरिया, दो सुखने, गजल आदि।

23. [d]

व्याख्या:-

– 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता चन्दवरदाई हैं। रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार "चन्दबरदाई हिन्दी के प्रथम महाकवि माने जाते हैं और इनका 'पृथ्वीराज रासो' हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है।" पृथ्वीराज रासो 69 अध्यायों में विभक्त तथा 68 छन्दों से युक्त महाकाव्य है। चन्दबरदाई को छप्पय छन्द का विशेषज्ञ माना जाता है।

24. [b]

व्याख्या:-

– घनानंद रीतिमुक्त धारा के श्रृंगारी कवि हैं, ये दिल्ली के मुगल बादशाह मुहम्मद शाह रंगीले के मीर मुंशी थे। दिल्ली से निकाले जाने के पश्चात् ये वृंदावन आकर निम्बार्क सम्प्रदाय में दीक्षित हो गए। आचार्य शुक्ल ने घनानन्द को साक्षात् रसमूर्ति कहा है। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- सुजान सागर, विरह लीला, कोकसार रस केलि वल्ली, कृपाकंद, इश्कलता आदि।

25. [d]

व्याख्या:-

– 'शिवा बावनी' के रचनाकार वीर रस के एकमात्र रीतिकालीन कवि भूषण हैं। इनकी अन्य रचनाएँ हैं-शिवराज भूषण, शिवा बावनी, छत्रसाल दशक, भूषण उल्लास, भूषण हजारा घनानन्द की रचनाएँ हैं- सुजानहित, कृपाकंदनिबंध वियोगबेलि, इश्कलता, यमुनायश, प्रीतिपावस, ब्रजविलास, रसवसंत इत्यादि। सेनापति की रचनाएँ हैं- काव्य कल्पद्रुम तथा कवित्त रत्नाकर। नरपति नाल्ह की रचना है-बीसलदेव रासो ।

26. [b]

व्याख्या:-

– हिन्दी के प्रसिद्ध आलोचक एवं निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने रीतिकालीन कवि केशवदास को 'कठिन काव्य का प्रेत' कहा है। आचार्य शुक्ल के अनुसार केशव को कवि हृदय नहीं मिला था। 'रामचन्द्रिका', 'कविप्रिया', 'रसिक प्रिया', 'विज्ञान गीता', 'रतन बावनी', 'वीर सिंह देव चरित', 'छंदमाल' तथा 'जहाँगीर जस चन्द्रिका' केशवदास की प्रमुख रचनाएं हैं।

27. [a]

व्याख्या:-

– रीतिकालीन साहित्य को प्रवृत्ति के आधार पर तीन भागों (वर्गों) में विभाजित किया जाता है (1) रीतिबद्ध काव्यधारा, (2) रीतिसिद्ध काव्यधारा, (3) रीतिमुक्त काव्यधारा। रीतिबद्ध काव्यधारा के अंतर्गत काव्य सिद्धान्तों के निरूपण के लिए रचित लक्षण ग्रंथ आते हैं। इनके रचयिता आचार्य कवि कहलाते हैं। रीतिबद्ध काव्य विशुद्ध रूप से काव्य शास्त्रीय है।

28. [a]

व्याख्या:-

– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंध संग्रह 'चिन्तामणि' नाम से चार भागों में प्रकाशित है; जिनका विवरण निम्नवत है-

निबंध संग्रह	**सम्पादक**	**वर्ष**
चिन्तामणि भाग-1	रामचन्द्र शुक्ल	1939
चिन्तामणि भाग-2	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	1945
चिन्तामणि भाग-3	नामवर सिंह	1983
चिन्तामणि भाग-4	कुसुम चतुर्वेदी/ओम प्रकाश सिंह	

29. [a]

व्याख्या:-

– 'हिन्दी में छायावाद' शीर्षक निबंध-श्रृंखला के लेखक मुकुटधर पाण्डेय थे। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध चिन्तामणि (चार भागों में) शीर्षक से सम्पादित एवं प्रकाशित हैं।

30. [a]

व्याख्या:-

– "साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है" निबन्ध के लेखक बालकृष्ण भट्ट हैं। बालकृष्ण भट्ट को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'हिन्दी का स्टील' कहा है। इनके प्रमुख निबन्ध इस प्रकार है- (1) चन्द्रोदय, (2) संसार महानाटकशाला, (3) प्रेम के बाग का सैलानी, (4) शब्द की आकर्षण शक्ति, (5) साहित्य का सभ्यता से घनिष्ट सम्बन्ध है, (6) इंगलिश पढ़े तो बाबू होय, (7) आत्मनिर्भरता, (8) कल्पना, (9) मेला-ठेला, (10) रोटी तो किसी भाँति कमा खाय मुछन्दर, (11) बाल-विवाह, (12) माता का स्नेह, (13) एक अनोखा स्वप्न, (14) कालचक्र का चक्कर, (15) प्रतिभा, (16) माधुर्य, (17) आशा, (18) आत्मगौरव, (19) रुचि, (20) शिक्षा-वृत्ति, (21) ईश्वर भी क्या ठठोल है, (22) स्त्रियाँ और उनकी शिक्षा, (23) हमारे नये सुशिक्षितों में परिवर्तन ।

31. [c]

व्याख्या:-

– लार्ड कर्जन और उसकी नौकरशाही पर चुभते व्यंग्य निबंध 'बालमुकुन्द गुप्त' ने लिखे। बालमुकुन्द गुप्त ने सन् 1904-1905 ई. में भारत मित्र में 'शिव शम्भु का चिट्ठा' नाम से तत्कालीन गवर्नर-जनरल लार्ड कर्जन को संबोधित करके निबंध लिखा। बालमुकुन्द गुप्त के निबन्ध 'गुप्त निबन्धावली' शीर्षक से प्रकाशित हैं।

32. [b]

व्याख्या:-

– 'अर्थार्जन' की अपेक्षा श्रम को महत्त्व देने वाले निबंधकार अध्यापक पूर्ण सिंह हैं। अध्यापक पूर्ण सिंह ने कुल छह निबंधों की रचना की (1) आचरण की सभ्यता (2) मजदूरी और प्रेम (3) सच्ची वीरता (4) पवित्रता (5) कन्यादान (6) अमरीका का मस्त कवि वाल्ट ह्विटमैन।

33 [c]

व्याख्या:-

– 'छितवन की छाँह' निबंध के रचनाकार विद्यानिवास मिश्र हैं। विद्यानिवास मिश्र के अन्य निबंध इस प्रकार हैं- (1) हल्दी दूब (2) कदम की फूली डाल (3) तुम चन्दन हम पानी (4) आँगन का पंछी और बनजारा मन (5) मैंने सिल पहुँचाई (6) मेरे राम का मुकुट भींग रहा है। (7) परम्परा बन्धन नहीं (8) कँटीले तारों के आर-पार (9) कौन तू फूलवा बीन निहारी (10) शिरीष की याद आई।

34 [c]

व्याख्या:-

– विचारात्मक निबंधों की शैली 'धारा शैली' होती है। किसी विचार, गुण, समस्या, दोष, मनोभाव, धर्म आदि के विषय में परिचायात्मक त्मक लेखन विचारात्मक निबंध कहलाता है। इस प्रकार के निबंध में भाव की प्रधानता होती है। इस प्रकार के निबंध कवित्वपूर्ण और प्रवाहमय प्रतीत होते हैं।

35 [c]

व्याख्या:-

– 'नयी कविता में मुक्त छंद' निबन्ध के लेखक 'राम स्वरूप चतुर्वेदी' हैं। इनकी अन्य रचनाएँ- हिन्दी नवलेखन, भाषा और संवेदना, अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, कामायनी का पुनर्मूल्यांकन, मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाषा, हिन्दी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ, प्रसाद निराला अज्ञेय, कविता का पक्ष आदि हैं।

36. [c]

व्याख्या:-

– लेखक विद्यानिवास मिश्र के निबंध- कदम की फूली डाल, तुम चन्दन हम पानी, मैंने सिल पहुँचाई, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई आदि।

– लेखक जैनेन्द्र के प्रमुख निबंध- जड़की बात, पूर्वादय, साहित्य का श्रेय और प्रेम, सोच-विचार, ये और वे, राष्ट्र और राज्य, प्रेम और परिवार आदि।

37. [a]

व्याख्या:-

– मीराबाई ने उक्त पंक्ति में अपनी सखी से कहा है कि मेरे प्रियतम श्रीकृष्ण को मैं अपने कमल के समान कोमल नेत्र रूपी घर में बसाऊँगी।

38. [b]

व्याख्या:-

– कृष्ण भक्त कवि ध्रुवदास की प्रमुख कृतियाँ- ब्रजलीला, हितश्रृंगार लीला, विचार लीला आदि।

– नन्ददास जी का प्रमुख रचनाएँ- अनेकार्थ मंजरी, रस मंजरी, रूप मंजरी, श्याम सगाई, प्रेम बारहखड़ी, रास पंचाध्यायी।

39. [c]

व्याख्या:-

– सुमित्रानंदन पंत (1900 ई.) प्रकृति के सुकुमार कवि के नाम से प्रसिद्ध है। पंत को 'चिदम्बरा' के लिए वर्ष 1968 में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। पंत की छायावादी काव्य रचनाएँ- उच्छवास , वीणा, पल्लव, ग्रंथि, गुंजन, युगपथ, अतिमा आदि। नवमानवतावादी काव्य- चिदम्बरा, लोकायतन आदि।

40. [c]

व्याख्या:-

– आदर्श वाचन- जब अध्यापक किसी पाठ को शुरू करने से पहले उसका पूर्व ज्ञान छात्रों को देकर ध्वनि सहित सर्वप्रथम सस्वर वाचन करता है, उसे आदर्श वाचन कहते हैं। साधारण शब्दों में कक्षा के समक्ष अध्यापक द्वारा किया गया वाचन ही आदर्श वाचन कहलाता है।

41. [c]

व्याख्या:-

– कवि तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस के बालकाण्ड से उद्धृत उक्त काव्यांश में कवि ने संत समाज की प्रशंसा करते हुए उसे तीर्थराज प्रयाग के समान बताया है। संत समाज को कवि ने जगत का चलता-फिरता प्रयाग कहा है।

42. [d]

व्याख्या:-

– कहानीकार राजेन्द्र यादव की प्रमुख कहानियाँ - जहाँ जक्ष्मी कैद है, अभिमन्यु की आत्मकथा, छोटे-छोटे ताजमहल, प्रतीक्षा, अपने पार, खेल-खिलौने, एक दुनिया समानान्तर आदि।

– मोहन राकेश की प्रमुख कहानियाँ- एक और जिन्दगी, आज के साये, एक दुनिया, पहचान, नए बादल आदि।

43. [b]

व्याख्या:-

– निगमन विधि में परिभाषाओं को रटने पर बल दिया जाता है।

– इस विधि में शिक्षक अपनी भाषा में विद्यार्थियों को नियम या परिभाषा बताकर उनके सिद्धांत एवं परिभाषा को स्पष्ट करता है।

– इस विधि में पहले नियमों और सिद्धांतों को प्रस्तुत किया जाता है तथा बाद में उदाहरणों के द्वारा नियमों की पुष्टि की जाती है।

44. [c]

व्याख्या:-

– उऋण = उ (उपसर्ग) + ऋण उतारना = उ (उपसर्ग) + तारना
उखड़ा = उ (उपसर्ग) + खड़ा उद्योग = उत् (उपसर्ग) + योग

45. [b]

व्याख्या:-

– कृत् प्रत्यय- वे प्रत्यय जो क्रिया पद से जुड़ते हैं और संज्ञा, विशेषण शब्दों की रचना करते हैं; जैसे- लुटेरा = लूट + एरा

– उड़ाक = उड़ + आक

– पियक्कड़ = पी + अक्कड़

46. [b]

व्याख्या:-

– नाथ संप्रदाय का विकास सिद्धों की परम्परा से हुआ। नाथों में 'गोरख' एकमात्र ऐसे योगी हैं जो कबीर आदि संतों पर विशेष रूप से प्रभाव डालते हैं। डॉ. रामकुमार वर्मा ने नौ नाथों के नाम इस प्रकार बताए हैं- आदिनाथ, मत्स्येन्द्रनाथ, गोरखनाथ, गहिणीनाथ, चर्पटनाथ, चौरंगीनाथ, ज्वालेन्द्रनाथ, भर्तृनाथ एवं गोपीचन्द्रनाथ।

47. [b]

व्याख्या:-

– जिस गुण से युक्त काव्य रचना सहज भाव से हृदय में व्याप्त हो जाती है, उसे प्रसाद गुण कहते हैं। दण्डी के अनुसार जिसके चित्त में उदय होते ही अर्थ ग्रहण हो जाए, वहाँ प्रसाद गुण होता है; जैसे-"साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप। जाके हृदय साँच है, ताके हृदय आप।।"

48. [a]

व्याख्या:-

– रूढ़ि लक्षणा- जब लक्ष्यार्थ/आरोपितार्थ, किसी रूढ़ि या परम्परा के ग्रहण किया जाए तो वहाँ रूढ़ि लक्षणा शब्द शब्द का विधान होता है; जैसे- वहाँ लाठियाँ चल रही हैं।

49. [c]

व्याख्या:-

– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'उत्साह' के 3 भेद बताएँ हैं-
(1) कर्म भावना से प्रसूत उत्साह
(2) फल भावना से प्रसूत उत्साह
(3) विषयान्तर से प्राप्त उत्साह

– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी हिंदी साहित्य के सर्वश्रेष्ठ निबंधकार थे।

– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के सर्वश्रेष्ठ निबंध चिंतामणि भाग-1 में संगृहीत है- उत्साह, श्रद्धांजलि, करुणा, लज्जा और ग्लानि, लोभ और प्रीति, घृणा, ईर्ष्या, भय, क्रोध इत्यादि।

50. [c]

व्याख्या:-

– उद्धव जब श्रीकृष्ण का संदेश लेकर ब्रज में पहुँचे तब गोपियाँ उनसे कह रही हैं कि तुम मथुरा की मनोहर सुन्दरियों (कुब्जा पर व्यंग्य) के पास जाओ, जिन्हें तुम प्रिय लगते हो।

51. [b]

व्याख्या:-

– मुंशी प्रेमचंद (1880 ई.) द्वारा लिखित कहानी 'पूस की रात' (1921 ई.) किसान की स्थिति का प्रामाणिक दस्तावेज है। इसमें हल्कू नामक किसान की ऋणग्रस्तता, मौसम की मार, पशुधन के साथ रिश्ता आदि का वर्णन है। हल्कू नीलगाय से फसल को बचाने के लिए रात में पहरेदारी करता है। उसके साथ उसका कुत्ता जबरा भी रहता है।

52. [d]

व्याख्या:-

– कवि सूर्यमल्ल मिश्रण का जन्म संवत् 1872 को बूँदी (राज.) में हुआ था। इनकी रचना वीर सतसई में 288 दोहे हैं। वीर सतसई में 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का काव्यमय उद्गार है। सतसई में डिंगल के एक विशिष्ट अलंकार 'वैण सगाई' का प्रयोग किया गया है।

53. [b]

व्याख्या:-

– भारतेन्दु हरिशचन्द्र (1850 ई.) के मौलिक नाटक- वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी, नील देवी आदि।

– बांग्ला से अनूदित नाटक- विद्यासुंदर, धनंजय विजय, पाखण्ड विखंडन, सत्य हरिश्चंद्र, मुद्राराक्षस।

54. [d]

व्याख्या:-

– कोष्ठक चिह्न ()- किसी बात को और स्पष्ट करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (भारत के राष्ट्रपति) बेहद सादगी पसंद थे।

55. [d]

व्याख्या:-

– जो व्यवहार में न लाया गया हो- अव्यवहृत

– जिसमें सामर्थ्य न हो- असमर्थ

– जिसका परिहार/त्याग न हो सके- अपरिहार्य

– जो अवश्य होने वाला हो- अवश्यंभावी

56. [c]

व्याख्या:-

– **अनुभाव**- आश्रय के हृदय में जाग्रत स्थायी भाव को ज्ञान कराने वाले वचन या चेष्टाओं को अनुभाव कहते हैं। अनुभाव पाँच प्रकार के माने जाते हैं- कायिक, वाचिक, मानसिक, आहार्य और सात्विक। आहार्य अनुभाव- कृत्रिक वेश-रचना को आहार्य अनुभाव कहते हैं।

57. [a]

व्याख्या:-

– शिवमंगल सिंह 'सुमन' का जन्म 1915 में हुआ।

– प्रमुख रचनाएँ- हिलोल, जीवन के गान, विंध्य हिमालय, मिट्टी की बरात, प्रलय सृजन, युग का मोल, वाणी का व्यथा, कहे अँगूठे के बंदनवारे आदि।

58. [b]

व्याख्या:-

– **साहचर्य विधि**- इस विधि का आविष्कार श्रीमती मारिया मॉन्टेसरी ने किया था। इस विधि में कई प्रकार के चित्र तथा खेलने की वस्तुएँ कमरे में एकत्र कर ली जाती हैं, जो बालकों के अनुभव-परिधि के भीतर हो। इन वस्तुओं तथा चित्रों आदि के नाम काडों पर लिखे होते हैं।

59. [b]

व्याख्या:-

– शिक्षण सहायक सामग्री का वर्गीकरण- 1. श्रव्य सामग्री रेडियो, लिंग्वाफोन, ग्रामोफोन आदि।

– 2. श्रव्य-दृश्य सामग्री- दूरदर्शन, चलचित्र, ड्रामा आदि।

60. [c]

व्याख्या:-

– आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध 'श्रद्धा भक्ति' के अनुसार प्रेम स्वप्न है तो श्रद्धा जागरण है। श्रद्धा का व्यापार-स्थल विस्तृत है। श्रद्धा एक सामाजिक भाव है। श्रद्धा का मूल तत्त्व है- दूसरे का महत्त्व स्वीकारना।

61. [b]

व्याख्या:-

– हेनरी सी. मॉरीसन ने सन् 1926 में पाठ योजना के क्षेत्र में एक नवीन उपागम प्रस्तुत किया जिसे मॉरीसन उपागम अथवा इकाई प्रणाली कहते हैं। मॉरीसन उपागम ने पाठ योजना बनाने के लिए निम्नांकित पद प्रयुक्त किए जाते हैं- 1. अन्वेषण 2. प्रस्तुतीकरण 3. आत्मीकरण 4. व्यवस्थापन 5. अभिव्यक्तीकरण।

62. [d]

व्याख्या:-

– उक्त कथन का संबंध एडीसन से है।

– **कहानी शिक्षण**- हिंदी गद्य की वह विधा है, जिसमें लेखक किसी घटना, पात्र अथवा समस्या का क्रमबद्ध ब्यौरा देता है, जिसे पढ़कर एक समन्वित प्रभाव उत्पन्न होता है, उसे कहानी कहते हैं।

– **वी.एस. मेसन** के अनुसार 'कहानी में द्वंद्व अथवा संघर्ष की प्रबलता होती है।'

63. [b]

व्याख्या:-

– **जैकटाट विधि**- इस विधि का प्रयोग सबसे पहले जैकटाट नामक शिक्षाशास्त्री ने प्रयुक्त किया था। इस विधि में बालक स्वयं संशोधन करता है।

– बालक अध्यापक का अनुकरण करके एक-एक शब्द को लिखता है और मूल से मिलाकर देखा जाता है।

पेस्टालॉजी विधि में वर्णों की आकृति को खण्ड-खण्ड करके उनका अभ्यास कराया जाता है।

64. [c]

व्याख्या:-

– प्रेमचन्द्र के प्रमुख उपन्यास- सेवा सदन (1918) प्रेमाश्रम (1922), रंगभूमि (1925), कायाकल्प (1926), निर्मला (1927), गबन (1931), कर्मभूमि (1933), गोदान (1935), मंगलसूत्र (अपूर्ण)।

65. [b]

व्याख्या:-

– **पदबंध-** वाक्य में जब एक से अधिक पद मिलकर एक वैयाकरणिक इकाई का काम करते हैं, तब उस बंधी हुई इकाई को पदबंध कहते हैं; जैसे- सर्वनाम पदबंध- वाक्य में सर्वनाम का कार्य करने वाले पदबंध को सर्वनाम पदबंध कहते हैं; जैसे- चोट खाए हुए तुम भला क्या खेलोगे?

66. [b]

व्याख्या:-

– हेतुहेतुमद् भूतकाल - जिससे यह पता चलता है कि क्रिया भूतकाल में संपन्न हो सकती थी पर वह नहीं हो सकी, उसे हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं; जैसे- यदि वह जाता तो, मैं भी जाता।

67. [c]

व्याख्या:-

– **पूर्वकालिक क्रिया**- जब कर्ता एक क्रिया पूर्ण कर दूसरी क्रिया करता है तो पहली क्रिया को पूर्वकालिक क्रिया कहा जाता है। उसके साथ 'कर' या 'करके' का प्रयोग होता है; जैसे- वह खाना खाकर सो गया। राम सोकर पढ़ता है।

68. [d]

व्याख्या:-

- वचनबद्ध- वचन से बद्ध (करण तत्पुरुष समास)
- करण तत्पुरुष- यह करण कारक के चिह्न' से 'या 'के द्वारा' के लोप से बनने वाला समास है; जैसे- रससिक्त- रस से सिक्त पंतप्रणीत- पंत द्वारा निर्मित

69. [d]

व्याख्या:-

- महाकवि सूरदास कृत सूरसागर के भ्रमरगीत प्रसंग में श्रीकृष्ण उद्धव से कहने लगे कि हे उद्धव! मैं ब्रज की स्मृतियों को नहीं भूल सकता। सोते, चलते, जागते, मेरा मन सदैव ब्रज की स्मृतियों को खोया रहता है।

70. [c]

व्याख्या:-

- मूल्यांकन शैक्षिक प्रक्रिया का अंग होता है। मूल्यांकन किसी भी वस्तु, विषय, व्यक्ति तथा स्थिति का मूल्य अंकन करने का वैज्ञानिक उपक्रम है। प्रायोगिक परीक्षा में क्रियात्मक पक्ष प्रबल होता है।

71. [a]

व्याख्या:-

- छायावाद के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद की कालजयी कृति कामायनी में कुल 15 सर्ग हैं। काव्य के अनुसार एकान्त स्थान पर मनु जैसे दिव्य पुरुष को बैठा देखकर श्रद्धा नामक एक युवती विस्मित होकर उनसे प्रश्न करती है।

72. [d]

व्याख्या:-

- निदानात्मक परीक्षण- कमजोर छात्रों की पहचान निष्पत्ति परीक्षा के आधार पर की जाती है परंतु उसकी कमजोरी के कारणों अथवा अधिगम की कठिनाइयों के कारणों की जानकारी निदानात्मक परीक्षाओं के माध्यम से की जाती है। निदानात्मक परीक्षण की विधियाँ 1. निरीक्षण विधि 2. निदानात्मक विधि।

73. [b]

व्याख्या:-

- **उपमा अलंकार-** जहाँ एक वस्तु की समता दूसरी वस्तु से की जाए, वहाँ उपमा अलंकार होता है। सा, सी, से, समान, सदृश, सम, सरिस, इमि, जिमि, ज्यों, जैसे आदि शब्द उपमा अलंकार के वाचक हैं।

74. [c]

व्याख्या:-

- भारतेंदु युगीन नाटककार- बालकृष्ण भट्ट, किशोरी लाल गोपालराम गहमरी, राधाकृष्ण दास, लाला श्रीनिवास दास आदि।
- रामवृक्ष बेनीपुरी प्रसादयुगीन नाटककार हैं।

75. [a]

व्याख्या:-

- हो हो होरी (काव्य कृति) - अम्बिकादत्त व्यास
- प्रेम तरंग (काव्य कृति) - भारतेंदु हरिश्चंद
- कुब्जा पचीसी (काव्य कृति) - नवनीत चतुर्वेदी
- भारत बारहमासा (काव्य कृति) राधाकृष्ण दास -

76. [c]

व्याख्या:-

- वाचन शिक्षण की विधियाँ- 1. संश्लेषण विधि- (अ) अक्षरबोध (ब) ध्वनि साम्य विधि
  2. विश्लेषण विधि- (क) देखो और कहो विधि (ख) वाक्य शिक्षण विधि (ग) अनुकरण विधि (घ) कहानी विधि (ङ) भाषा शिक्षण पत्र विधि (च) सामूहिक पठन विधि (छ) कविता विधि (ज) साहचर्य विधि आदि।

77. [d]

व्याख्या:-

- गद्य शिक्षण के उद्देश्यों को दो भागों में बाँटा गया है-
  1. सामान्य उद्देश्य
  2. विशिष्ट उद्देश्य
- गद्य पाठ विशेष के अध्यापन के विशिष्ट उद्देश्य पाठ में निहित मुख्य भाव या कलात्मक विशेषता पर आधारित होते हैं। विशिष्ट उद्देश्य- 1. ज्ञान 2. अवबोध 3. ज्ञानोपयोग 4. अभिरुचि 5. अभिवृत्ति 6. कौशल।

78. [b]

व्याख्या:-

- हिंदी समालोचकों में अधिकतर विद्वानों ने नाटक के निम्नलिखित तत्त्व माने हैं- कथावस्तु, पात्र एवं चरित्र-चित्रण, संवाद अर्थात् कथोपकथन, भाषाशैली, देशकाल अथवा वातावरण और उद्देश्य। सातवाँ तत्त्व और जोड़ दिया गया- अभिनय।

79. [c]

व्याख्या:-

- संत कबीर कहते हैं कि यदि शिष्य ही सुपात्र नहीं तो उसकी त्रुटि के लिए सतगुरु को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। इस तरह उक्त पद्यांश में शिष्य की पात्रता को रेखांकित किया है।

80. [b]

व्याख्या:-

अशुद्ध शब्द	**शुद्ध शब्द**
उल्लेखित	उल्लिखित
तदंतर	तदनंतर
कविन्द्र	कवीन्द्र

कवि + इन्द्र = कवीन्द्र

81. [c]

व्याख्या:-

- कामदेव = पंचशर, मदन, मन्मय, मनोज, मनसिज, रतिपति, प्रद्युम्न, पुष्पधन्वा, कन्दर्प, कुसुमशर, मकरध्वज आदि।
- गणेश = गजानन, हेरंब, विनायक, लंबोदर, वक्रतुण्ड, भवानीनंदन, एकदंत आदि।

82. [c]

व्याख्या:-

- हिंदी साहित्य के इतिहास में 'मिश्रबंधु विनोद' ग्रंथ को विशेष स्थान है। इसके लेखक श्याम बिहारी मिश्र, गणेश बिहारी मिश्र और शुकदेव बिहारी मिश्र थे। इसके चार भाग प्रकाशित हुए हैं। 2250 पृष्ठ के इस विशाल ग्रंथ में कुल 5000 कवियों का विवरण मिलता है।

83. [c]

व्याख्या:-

– जायसी कृत पद्मावत (1504 ई.) भक्तिकालीन प्रेमाश्रयी शाखा का प्रतिनिधि ग्रंथ है। पद्मावत का अंतिम खण्ड (57 वॉ) 'पद्मावती नागमती सती खण्ड' है।

पद्मावत के पात्र	**प्रतीक**
रतनसेन	मन
पद्मिनी	सात्विक ज्ञान
नागमती	सांसारिकता
चित्तौड़	तन
हीरामन तोता	गुरु
अलाउद्दीन खिलजी	माया

84. [c]

व्याख्या:-

– **ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय** ऐसे तद्धित प्रत्यय जिनसे लघुतासूचक शब्दों की रचना होती हैं, उन्हें ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं; जैसे- साँप + ओला (प्रत्यय) = सँपोला आँत + ड़ी (प्रत्यय) = अंतड़ी खाट + इया (प्रत्यय) = खटिया राधेय = राधा + एय (अपत्यवाचक तद्धित प्रत्यय)

– इच्छुक = इच्छा + उक (गुणवाचक तद्धित प्रत्यय)

– विषैला = विष + ऐला (गुणवाचक तद्धित प्रत्यय)

85. [b]

व्याख्या:-

– रूप के आधार पर क्रिया विशेषण के भेद हैं- 1. मूल क्रिया विशेषण, 2. यौगिक क्रिया विशेषण, 3. कारण क्रिया विशेषण अर्थ के आधार पर क्रिया विशेषण के चार भेद हैं-
1. स्थानवाचक, 2. कालवाचक, 3. परिणामवाचक,
4. रीतिवाचक

86. [c]

व्याख्या:-

– **हरिगीतिका छंद**- यह सममात्रिक छंद है। इसमें प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं। जिसमें क्रमशः 16 व 12 मात्राओं पर यति पाई जाती हैं। इसमें छंद के चरण के अंत में लघु-गुरु होता है; जैसे- 'अन्याय सहकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है, न्यायार्थ अपने बंधु को भी, दण्ड देना धर्म है।'

87. [b]

व्याख्या:-

– कुँवर नारायण के प्रमुख काव्य संग्रह- चक्रव्यूह, परिवेशः हम तुम, अपने सामने, कोई दूसरा नहीं, इन दिनों। 'सात गीत वर्ष' (काव्य)- धर्मवीर भारती 'सीढ़ियों पर धूप में' (काव्य) रघुवीर सहाय 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' (काव्य)- मुक्तिबोध

88. [c]

व्याख्या:-

– **भाषा-संसर्ग विधि**- इस विधि का मुख्य उद्देश्य व्याकरण के बिना, भाषा का शुद्ध प्रयोग करके सिखाना है। अतः यह विधि पूर्णतः दोषमुक्त नहीं। इस विधि में प्राथमिक कक्षाओं में रचना तथा अभ्यास द्वारा भाषा का शुद्ध प्रयोग कराया जाता है।

89. [a]

व्याख्या:-

– **रीतिकालीन कवियों का वर्गीकरण**-
1. रीतिबद्ध कवि- चिंतामणि, केशव, मतिराव, देव, पद्माकर, भिखारीदास।
2. रीतिसिद्ध कवि- बिहारी, रसनिधि, नेवाज।
3. रीतिमुक्त कवि घनानन्द, आलम, बोधा, द्विजदेव।

90. [b]

व्याख्या:-

– शानदार - शर्मनाक (विलोम शब्द)
अभद्र-भद्र (विलोम शब्द)
संदिग्ध- असंदिग्ध (विलोम शब्द)
घटिया- बढ़िया (विलोम शब्द)

91. [b]

व्याख्या:-

– उक्त कथन का संबंध **यंग से** है।

– **आगमन विधि-** आगमन का अर्थ है प्रत्यक्ष उदाहरणों, अनुभवों से निष्कर्ष निकालना।

– यह विधि 'विशिष्ट से सामान्य की ओर' तथा 'स्थूल से सूक्ष्म की ओर' पर आधारित है। आगमन विधि को 'सामान्यानुमान' अथवा 'विश्लेषणात्मक विधि' भी कहा जाता है। यह विधि सूक्ष्म बुद्धि तथा सूझ की वृद्धि के लिए उपयोगी है।

92. [a]

व्याख्या:-

– **हेमचंद्र**- ये गुजरात के शासक सिद्धराज जयसिंह के दरबारी कवि थे। इन्हें 'प्राकृत का पाणिनि' कहा जाता है। इनकी रचना- 'शब्दानुशासन' है।

– **रामसिंह की प्रमुख रचना**- पहुड़ दोहा धनपाल की प्रमुख रचना- भविष्यत कथा देवसेन की प्रमुख रचना- श्रावकाचार

93. [c]

व्याख्या:-

– विच्छिन्न = वि + छिन्न (च् का आगम) व्यंजन संधि

– सरोकार = सरः + कार (विसर्ग संधि)

– सर्वतोमुखी = सर्वतः + मुखी (विसर्ग संधि)

– धनुष्टंकार = धनुः + टंकार (विसर्ग संधि)

94. [a]

व्याख्या:-

– भक्त कवयित्री मीरा ने इस पद में श्रीकृष्ण के प्रति अपने अनन्य समर्पण को उजागर करते हुए लिखा है कि श्रीकृष्ण मेरे जीवन व प्राणों के आधार हैं। उनके बिना मेरा तीनों लोकों में कोई नहीं है।

95. [c]

व्याख्या:-

– आचार्य रामचंद्र शुक्ल की रचना 'चिंतामणि भाग-1' में संकलित निबंध 'उत्साह' के अनुसार साहसपूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है। उत्साह एक यौगिक भाव है जिसमें साहस और आनंद का मेल होता है।

96. [b]

व्याख्या:-

– आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का जन्म 1864 ई. में दौलतपुर, रायबरेली (उ.प्र.) में हुआ। द्विवेदी जी ने 1903 से 1920 तक 'सरस्वती' पत्रिका का संपादन किया। इन्होंने हिन्दी गद्य का परिष्कार किया।
– 'भुजंग भूषण भट्टाचार्य' नाम से प्रकाशित लेख- 'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता'
– मौलिक रचनाएँ- काव्य मंजूषा, सुमन, अबला विलाप, कविताकलाप कान्यकुब्ज आदि।

97. [c]

व्याख्या:-

– प्रयोगवाद के जनक अज्ञेय द्वारा सम्पादित 'तार सप्तक' (1943) का सम्पादन किया। तार सप्तक के कवि-नेमिचन्द्र जैन, मुक्तिबोध, भारत भूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा, अज्ञेय।
– द्वितीय सप्तक (1951 ई.) के कवि- भवानी प्रसाद मिश्र, शकुंतला माथुर, हरिनारायण व्यास, रामशेर बहादुर सिंह, नरेश मेहता, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती।

98. [b]

व्याख्या:-

– अलंकार- अलंकरोति इति अलंकारः अर्थात् जो अलंकृत करे, उसे अलंकार कहते हैं। अलंकार के मुख्यतः तीन भेद होते हैं-
1. शब्दालंकार
2. अर्थालंकार
3. उभयालंकार
- शब्दालंकार में अनुप्रास, यमक, श्लेष आदि।
- अर्थालंकार में उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा आदि।
- उभयालंकार में वक्रोक्ति, श्लेष आदि।

99. [a]

व्याख्या:-

	अशुद्ध शब्द	**शुद्ध शब्द**
-	दंपति	दंपती
-	भुजंगनी	भुजंगिनी
-	अंधेरा	अँधेरा
-	शिखिर	शिखर

100. [b]

व्याख्या:-

– **निपात**- वे शब्द जो वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि शब्दों के साथ जुड़कर उनके अर्थ में विशेष बल भर देते हैं, उन्हें निपात कहते हैं; जैसे- तो, भी, हो, केवल, भर, सा, सिर्फ, तक आदि निपात हैं।

101. [c]

व्याख्या:-

– मंत्रिपरिषद् = मंत्रियों की परिषद् (संबंध तत्पुरुष समास)
हीनार्थ = कर्मधारय समास
आजीवन = अव्ययी भाव
दुराहा = द्विगु समास

102. [b]

व्याख्या:-

– कवि रामधारी सिंह दिनकर ने 'कुरुक्षेत्र' काव्य के प्रथम सर्ग में युद्ध के उपरान्त मैदान में पड़ी लाशों और उनके परिजनों के क्रन्दन तथा पांडवों की खुशी में भी दुःख की छाया को प्रदर्शित करते हुए युद्ध की विभीषिका का वर्णन किया है। विजय प्राप्त करने के बाद भी युधिष्ठिर का मन रो रहा है। इस विजय की खुशी देखने वाले ही नहीं है।

103. [c]

व्याख्या:-

– राधावल्लभ संप्रदाय का प्रवर्तन स्वामी हित हरिवंश ने किया। इनकी रचना 'हित चौरासी' है।
– इस संप्रदाय में श्रीकृष्ण के बायीं ओर वस्त्र निर्मित एक गद्दी होती है, जिसके ऊपर स्वर्ण- पत्र पर श्री राधा शब्द अंकित होता है। रुद्र संप्रदाय की स्थापना विष्णु स्वामी ने की।

104. [b]

व्याख्या:-

– 1960 के बाद के आन्दोलनों में अकहानी की प्रतिक्रिया में सचेतन कहानी का प्रारम्भ हुआ, जिसका श्रेय महीपसिंह को है।
– सचेतन कहानी के प्रमुख कहानीकार- महीपसिंह, मनहर चौहान, श्याम परमार, जगदीश चतुर्वेदी, ममता कालिया, हिमांशु जोशी है।

105. [a]

व्याख्या:-

– आदिकाल का नामकरण
डॉ. रामकुमार वर्मा- संधि चारण काल
महावीर प्रसाद द्विवेदी- बीजवपन काल
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- वीरकाल
मिश्र बंधु- आरंभिक काल
हजारी प्रसाद द्विवेदी- आदिकाल
रामचंद्र शुक्ल- वीरगाथा काल
ग्रियर्सन- चारण काल
वासुदेव सिंह- उद्भव काल
चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' - पुरानी हिंदी

106. [b]

व्याख्या:-

– पश्चिमी हिन्दी उपभाषा की बोलियाँ- खड़ी बोली, ब्रज, कन्नौजी, बाँगरु, दक्खिनी, बुन्देली।
पूर्वी हिन्दी उपभाषा की बोलियाँ- अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी।

107. [c]

व्याख्या:-

– संकेतवाचक वाक्य ऐसे वाक्य जिसमें एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है, उसे संकेतवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे- आप आते तो इतनी परेशानी नहीं होती। वह पढ़ता तो उत्तीर्ण होता।

108. [c]

व्याख्या:-

– कर्मवाच्य- जिस वाक्य में क्रिया का केंद्र बिंदु कर्ता न होकर 'कर्म' हो और लिंग व वचन भी कर्म के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं। इसमें वाक्य का उद्देश्य क्रिया का कर्म है; जैसे- गीता द्वारा गाया गया। अक्षय ने अखबार को पढ़ा। (कर्तृवाच्य) लड़के से नहाया नहीं जाता। (भाववाच्य)

109. [c]

व्याख्या:-

– केला- भानुफल, कदली, कुंजरासरा, मोचा, रंभा, गजवसा आदि।
आम- आम्र, रसाल, पिकबंधु, अमृतफल।
अमृत- पीयूष, सोम, सुधा, अमिय।

110. [b]

व्याख्या:-

– काव्य में जहाँ लोक या शास्त्र विहित क्रम का उल्लंघन हो वहाँ दुष्क्रमत्व काव्य दोष होता है; जैसे- उक्त पंक्ति में मयंक को देखकर कंज अर्थात् कमल का खिलना बताया गया है जो लोक विरुद्ध है।

111. [c]

व्याख्या:-

– कवि तुलसीकृत महाकाव्य 'रामचरितमानस' के बालकण्ड से उद्धृत उक्त पंक्तियों में भारद्वाज मुनि ने याज्ञवल्क्य ऋषि से कहा कि ये सर्वविदित है कि गुरु से छिपाव करने पर कभी ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती। इसलिए मैं अपनी अज्ञानता और संशय आपके समक्ष रख रहा हूँ ताकि आप उन्हें दूर कर सेवक पर कृपा करें।

112. [b]

व्याख्या:-

– उक्त पंक्तियों में रौद्र रस विरंजित है। रस काव्य की आत्मा है। रस की सर्वप्रथम व्याख्या आचार्य भरतमुनि ने की थी। रस के कुल अंग चार होते हैं- स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव।

113. [c]

व्याख्या:-

– गोस्वामी तुलसीदास (1554 वि.स.) ने 'बरवै रामायण' की रचना अपने मित्र अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना के आग्रह पर की थी। यह ठेठ अवधी भाषा में लिखित है। 'रामाज्ञ प्रश्न' की रचना तुलसी ने अपने मित्र पंडित गंगाराम के अनुरोध पर की थी। 'विनयपत्रिका' नामक ग्रंथ की रचना तुलसी ने 'कलिकाल' से मुक्ति पाने हेतु राम के दरबार में प्रस्तुत करने हेतु की।

114. [a]

व्याख्या:-

– वीर रमावतार कवि सूर्यमल्ल मिश्रण ने इस दोहे में पराक्रमी योद्धा का वर्णन किया है जो अपनी प्रिया के साथ रति रंग में भी युद्ध का स्मरण करता है।

115. [b]

व्याख्या:-

– लेखक मोहन-राकेश के नाटक 'लहरों के राजहंस' के प्रमुख पात्र - नंद - नाटक का मुख्य पात्र है।
मैत्रेय - नन्द का मित्र
शशांक - गृहाधिकारी

– सुन्दरी - नंद की रूप गर्विता रानी। सुन्दरी संसार का प्रतीक है।
भिक्षु आनन्द - गौतम बुद्ध का शिष्य।

116. [d]

व्याख्या:-

– इकाई योजना के घटक उद्देश्य अधिगम क्रियाएँ तथा मूल्यांकन क्रियाएँ किसी इकाई योजना के मुख्य घटक होते हैं। एक इकाई के घटक निम्न होते हैं- विषय, कक्षा, इकाई के शीर्षक एवं इकाई का संक्षिप्त दृश्य, इकाई के उद्देश्य अथवा अपेक्षित अधिगम उपलब्धियाँ, अनुदेशात्मक सामग्री, प्रारंभिक क्रियाएँ, अधिगम क्रियाएँ, मूल्यांकन तकनीक आदि।

117. [d]

व्याख्या:-

– दल-शिक्षण का श्रीगणेश अमेरिका में हुआ। इसके निम्नलिखित तीन प्रमुख सोपान हैं- 1. योजना निर्माण 2. व्यवस्था (क्रियान्वयन) 3. मूल्यांकन (परीक्षण) दल शिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाना है।

118. [b]

व्याख्या:-

– राम, श्याम या मोहन बता सकते हैं। (अशुद्ध वाक्य)
राम, श्याम और मोहन बता सकते हैं। (शुद्ध वाक्य)

119. [c]

व्याख्या:-

– लेखक चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' का जन्म 1883 ई. गुलेरी गाँव, हिमाचल प्रदेश में हुआ था। 'उसने कहा था' कहानी 1915 में प्रकाशित हुई। कहानी का प्रारंभ अमृतसर के बम्बूकोर्ट बाजार के वर्णन के साथ होता है। कहानी का मुख्य पात्र लहनासिंह है जो नं. 77 राइफल्स में जींदार हैं। लहनासिंह का फ्रांस व बेल्जियम की 68वीं सूची में नाम था।

120. [d]

व्याख्या:-

– छंद- मात्रा और वर्ण आदि के विचार से होने वाली काव्य रचना को छंद कहते हैं। छंदों के मुख्यतः दो भेद होते हैं-
1. मात्रिक छंद 2. वर्णिक छंद

– मात्रिक और वर्णिक छंद के पुनः तीन भेद हैं-
1. सम 2. अर्द्धसम
3. विषम

– समछंद- चौपाई, रोला, गीतिका, हरिगीतिका आदि।
अर्द्ध सममात्रिक छंद- दोहा व सोरठा।
विषम मात्रिक छंद - छप्पय तथा कुण्डलिया आदि।

121. [d]

व्याख्या:-

– कवि जयशंकर प्रसाद की रचना 'कामायनी' हिंदी का एक युगान्तकारी महाकाव्य है। उक्त दोहे में श्रद्धा मनु को शैवदर्शन के सिद्धांत के अनुसार इस संसार को विराट चेतना की निरंतर चलती हुई लीला का परिणाम बताती है।

122. [b]

व्याख्या:-

– 'अज' (अनेकार्थक शब्द)- बकरा, शिव, बह्मा, नाम, कामदेव, जीव, विष्णु।

123. [a]

व्याख्या:-

– ध्वन्यात्मक विधि- भाषा विज्ञान में सबसे पहले एवं सर्वाधिक ध्यान तथा बल ध्वनि विज्ञान पर ही दिया जाता है। इसे फोनेटिक मैथड कहते हैं। छात्र में उच्चारण कौशल विकसित करने के लिए यह विधि प्रयोग में ली जाती है।

– इस विधि का प्रतिपादन माइकल सेमर ने किया था।

– इस विधि में शब्दों, वाक्यों की ध्वनियों तथा वाक्य खंडों पर अधिक ध्यान दिया जाता है। इसे संश्लेषणात्मक विधि भी कहते हैं।

124. [c]

व्याख्या:-

– दाई से पेट छुपाना (मुहावरा) - जानकारों से गोपनीयता बरतना। जैसे- कहते हो उसे कुछ न बताना, भला दाई से पेट कैसे छिपाऊँ।

125. [c]

व्याख्या:-

– **शुद्ध शब्द- गत्यवरोध**

अशुद्ध शब्द	**शुद्ध शब्द**
निरावलंब	निरवलंब
नींबू	नीबू
गीतांजली	गीतांजलि

गीत + अंजलि = गीतांजलि (दीर्घ संधि)

126. [b]

व्याख्या:-

– प्रदर्शन विधि- किसी घटना को दृश्य के रूप में प्रदर्शन करना तकनीकी भाषा में 'प्रदर्शन' कहलाता है। प्रदर्शन विधि में 'मूर्त से अमूर्त' शिक्षण सूत्र का प्रयोग किया जाता है जो कि व्यावहारिक रूप से सफल एवं उपयोगी सूत्र है। इस विधि में छात्रों का निरीक्षण एवं तर्क शक्ति का भी पर्याप्त विकास होता है।

127. [a]

व्याख्या:-

– संत कबीर के शिष्य धर्मदास द्वारा रचित ग्रंथ 'बीजक' के 'साखी' भाग में से 'विरह कौ अंग' में उक्त पद्यांश संकलित है। संत कबीर कहते हैं कि यदि हँसी-खेल में ही भगवान मिल जाए तो ताप कौन सहन करता है। भगवान की प्राप्ति काम, क्रोध, तृष्णा आदि विषय विकारों को त्याग करके ही हो सकता है।

128. [a]

व्याख्या:-

– सफेदी = सफेद + ई (प्रत्यय)
सादगी = सादा + गी (प्रत्यय)
सफाई = साफ + आई (प्रत्यय)
वाहिनी = वाहन + इनी (प्रत्यय)

129. [b]

व्याख्या:-

– लेखक यादवेन्द्र शर्मा 'चंद्र' के उपन्यास 'खून का टीका' में चित्तौड़ के राणा हम्मीर के जीवन पर आधारित है। इस उपन्यास के अनुसार मालदेव के राज्य में लोहे की धुरी मौजीराम कामदार को माना जाता था। मालदेव ने दहेज के साथ बेटी को विदा किया। इसी समय राणा हम्मीर ने नि:संकोच दहेज में कामदार मौजीराम को भी माँग लिया।

130. [d]

व्याख्या:-

– लेखन कौशल की प्रमुख विधियाँ- खंडश: लेखन विधि, रूपरेखा या रूप अनुसरण विधि, अनुलेखन विधि, तुलना विधि आदि। लेखन के प्रकार- सुलेख, अनुलेख, श्रुतलेख आदि।

131. [c]

व्याख्या:-

– वह जो शीघ्र प्रसन्न हो जाए- आशुतोष वह जो कानून के विरुद्ध हो- अवैध वह जिसका कोई अंत न हो- अनंत

132. [d]

व्याख्या:-

– महाभारत की कथा पर आधारित और द्वितीय विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखा गया 'कुरुक्षेत्र' प्रबंधकाव्य कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की श्रेष्ठ रचना है। इसमें कुल सात सर्ग हैं। कवि दिनकर के प्रमुख काव्य रेणुका, हुँकार, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, परशुराम की प्रतीक्षा, हारे का हरिनाम आदि।

133. [b]

व्याख्या:-

– प्रगतिवाद (1936-1943)- प्रगतिवाद ने 'कला कला के लिए' उक्त को परिवर्तित करके 'कला संसार के लिए' कर दिया। प्रगतिवादी साहित्य में मार्क्सवाद एवं साम्यवाद का प्रभाव है।

134. [a]

व्याख्या:-

– अकर्मक क्रिया- जिन वाक्यों में क्रिया का फल कर्ता पर पड़े, वहाँ अकर्मक क्रिया होता है। अकर्मक वाक्यों में कर्म प्रयुक्त नहीं होता है; जैसे- बच्चा गहरी नींद में सो रहा है।

– अकर्मक वाक्यों की पहचान के लिए वाक्य में 'क्या' या 'किसको' लगाकर देखा जाए, अगर उत्तर नहीं मिले तो वहाँ अकर्मक क्रिया रहती है।

135. [d]

व्याख्या:-

– आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनसार- "सूरसागर किसी चली आती हुई गीतिकाव्य परंपरा का, चाहे वह मौखिक ही रही हो, पूर्ण विकास सा प्रतीत होता है।"

– प्रस्तुत कथन सूरदास की सर्वश्रेष्ठ कृति 'सूरसागर' के संदर्भ में कहा गया है। सच्चे अर्थ में हिंदी साहित्य का इतिहास लिखने की परम्परा का विकास आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा किया गया। प्रमुख ग्रंथ- हिंदी साहित्य का इतिहास (1929)

136. [c]

व्याख्या:-

– हिंदी के कुछ आकारांत शब्दों के अंत में अनुनासिक लगाने से बहुवचन बन जाते हैं; जैसे-

एकवचन	बहुवचन
चिड़िया	चिड़ियाँ
गुड़िया	गुड़ियाँ
बुढ़िया	बुढ़ियाँ
डिबिया	डिबियाँ

137. [b]

व्याख्या:-

– कवि बिहारी का उक्त दोहा भक्ति रस से परिपूर्ण है। वे इस दोहे में भगवान से अपने उद्धार के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्हें इस बात की गहरी पीड़ा है कि उनकी प्रार्थना भगवान ने अनसुनी कर दी है।

138. [b]

व्याख्या:-

– सर्वनाम- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। इसके छह भेद होते हैं-

1. पुरुषवाचक-
(i) उत्तम पुरुष- मैं, मेरी, हम, मुझको, हमने, मैंने।
(ii) मध्यम पुरुष तू, तुम, तुझको, आपने।
(iii) अन्य पुरुष- वह, यह, वे, उसे, उसकी, उन्हें, उनका आदि।
2. निश्चयवाचक- यह, वह
3. अनिश्चयवाचक- कोई, कुछ, किसी।
4. प्रश्नवाचक- कौन, क्या।
5. संबंधवाचक- जो, सो, जिसकी, उसकी।
6. निजवाचक- आप, स्वयं, खुद।

139. [b]

व्याख्या:-

– लेखक उपेन्द्रनाथ 'अश्क' द्वारा लिखित प्रमुख संस्मरण- रेखाएँ और चित्र, ज्यादा अपनी कम पराई, मंटो मेरा दुश्मन, बंदी: मेरा हमदम मेरा दोस्त आदि।

140. [b]

व्याख्या:-

– छायावाद के आधार स्तम्भ जयशंकर प्रसाद का जन्म 1889 ई. में काशी में हुआ। जयशंकर प्रसाद के कहानी संग्रह- छाया, प्रतिध्वनि, आकाशदीप, आँधी तथा इन्द्रजाल।

– प्रमुख काव्य कृतियाँ- उर्वशी, वनमिलन, प्रेम पथिक, कानन कुसुम, करुणालय (नाटक), झरना, आँसू, लहर, कामायनी आदि।

141. [c]

व्याख्या:-

– राष्ट्रधारा के कवि रामधारीसिंह 'दिनकर' का जन्म 1908 को मुंगेर जनपद बिहार के सिमरिया घाट नामक गाँव में हुआ था। प्रमुख काव्य रचनाएँ- रेणुका, हुँकार, रसवन्ती, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, नीलकुसुम, उर्वशी, परशुराम की प्रतीक्षा, हारे को हरिनाम आदि। 'उर्वशी' रचना के लिए उन्हें वर्ष 1973 में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ।

142. [c]

व्याख्या:-

– अधिकरण कारक संज्ञा के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध होता है, उसे अधिकरण कारक कहते हैं। इसकी मुख्य पहचान 'में, पर' है। जैसे- घड़ी मेज पर रखी है। हम पढ़ने के लिए स्कूल जाते हैं। (सम्प्रदान कारक) मैंने राम को पत्र लिखा। (कर्म कारक)

143. [b]

व्याख्या:-

– आप जो भी कहते हैं, वह सच है। (मिश्र वाक्य)
मैं चाहता हूँ कि तुम आगे पढ़ो। (मिश्र वाक्य)
नौकर ने देखा कि साहब आज नाराज हैं। (मिश्र वाक्य)
तुम ठीक से काम करो अथवा नौकरी छोड़ दो। (संयुक्त वाक्य)

144. [d]

व्याख्या:-

– हरिदास निरंजनी- ये निरंजनी संप्रदाय के कवि थे। इस संप्रदाय को नाथ पंथ एवं संत काव्य के बीच की कड़ी माना जाता है। इनके लिखे ग्रंथ हैं- अष्टपदी जोग ग्रंथ, ब्रह्मस्तुति, हंस प्रबोध ग्रंथ, निरपखमूल ग्रंथ, समाधिजोग ग्रंथ, संग्राम जोग ग्रंथ आदि।

145. [a]

व्याख्या:-

– भीष्म साहनी के प्रमुख उपन्यास- कड़ियाँ, झरोखे, तमस, बसंती, कुंतो, मैयादास की माड़ी, भाग्य रेखा, नीलिमा नीलोफर आदि।

– पर्दे की रानी (उपन्यास)- इलाचन्द्र जोशी परख सुनीता और त्यागपत्र (उपन्यास)- जैनेन्द्र शेखरः एक जीवनी (उपन्यास)- अज्ञेय

146. [d]

व्याख्या:-

– अन्वीक्षण = अनु (उपसर्ग) + ईक्षण
- अनभिज्ञ = अन (उपसर्ग) + भिज्ञ
- अनुर्वर = अन (उपसर्ग) + उर्वर
- अनुदार = अन (उपसर्ग) + उदार

147. [b]

व्याख्या:-

– उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'दृष्टि' होगा। उक्त गद्यांश में दृष्टि से सम्बन्धित विषय-वस्तु का वर्णन किया गया है।

148. [c]

व्याख्या:-

– जिन लोगों की आँखें है, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं अर्थात् व्यक्ति प्रकृति के सभी रंगों को और उसकी खूबसूरती को संवेदना से महसूस। करता है तभी वह सही अर्थ में देखना जानता है।

149. [b]

व्याख्या:-

– मनुष्य के लिए यह बहुत दु:ख का विषय है कि वह दृष्टि के आशीर्वाद को नहीं पहचान पा रहा है, जबकि दृष्टि की सुन्दरता में ही जिन्दगी की खुशियों का खजाना है।

150. [c]

व्याख्या:-

– मनुष्य अपनी क्षमताओं को नहीं पहचानता है। वह हमेशा उसी चीज की आस लगाए रहता है, जो उसके पास नहीं है, जबकि उसके पास दृष्टि होते हुए भी संवेदना के अभाव में दृष्टि का आत्मीय सुख नहीं ले पाता है।

♦♦♦♦

विज्ञापन

मुश्किल परीक्षाएँ भी आसान लगेगी
जब तैयारी होगी लक्ष्य के साथ

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर

तृतीय श्रेणी (3rd Grade)

अध्यापक भर्ती परीक्षा

LEVEL-I and LEVEL-II

(हिन्दी, ENGLISH, संस्कृत, सामाजिक अध्ययन, SCIENCE-MATH)

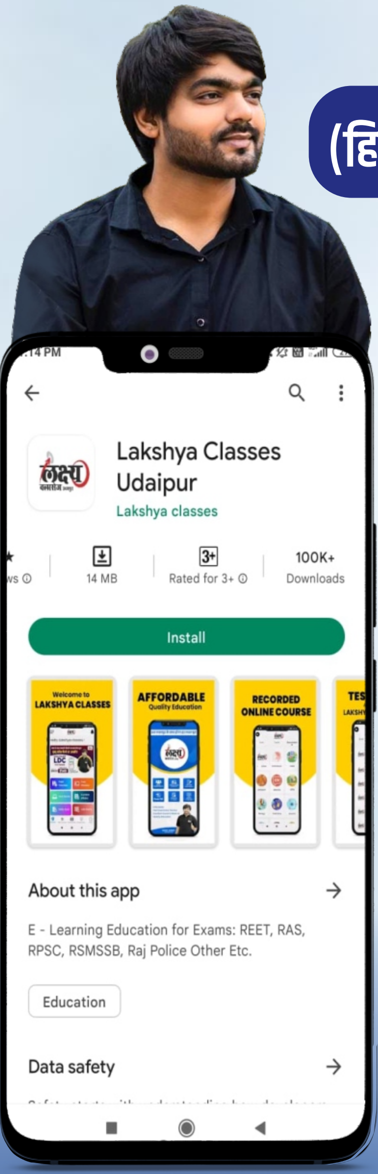

- COURSE OFFERED -

- NOTES WITH LIVE FROM CLASSROOM BATCH
- MCQ BASED BATCH
- TASK BASED TEST SERIES
- NOTES WITH RECORDED BATCH
- OFFLINE CLASSROOM BATCH

क्यों हैं लक्ष्य क्लासेज विशेष?

- व्यापक अध्ययन सामग्री
- MCQ की बुकलेट
- नियमित टेस्ट सीरीज
- पूर्णत: समर्पित यूट्यूब चैनल
- लाइब्रेरी सुविधा
- अनुभवी एवं योग्य फैकल्टी
- सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम
- ऑनलाइन एप्लीकेशन एक्सेस
- मासिक करंट अफेयर्स मैगज़ीन
- नियमित कांउसलिंग

MRP ₹220

Scan to Download Lakshya App Now

Google play

INSTAGRAM FACEBOOK YOUTUBE TELEGRAM

S. No. : AP0019

CODE : APDO

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान

लक्ष्य क्लासेज™

M. 9079798005, 6376491126

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur